राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण सोमवार,१५मार्च २०२१ वर्ष-४, अंक -५१ पृष्ठ-०८ मूल्य-०१रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

असम में गठबंधन को लेकर कांग्रेस में विरोधाभास, उलझन की स्थिति: जितेंद्र सिंह

नयी दिल्ली। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने रविवार को कहा कि असम में गठबंधन को लेकर कांग्रेस के भीतर विरोधाभास और उलझन की स्थिति है। साथ ही उन्होंने असम विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत को लेकर विश्वास जताया। सिंह ने दावा किया कि असम के लोग एक बार फिर भाजपा को राज्य की सत्ता में लाने का मन बना चुके हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्यमंत्री सिंह ने कहा कि यहां तक कि अब विपक्षी दलों को भी यह अहसास हो रहा है इसलिए भाजपा से मुकाबला करने के लिए आठ दल एक साथ आए हैं। उन्होंने कहा, ''इस गठबंधन को लेकर कांग्रेस में अंदरुनी विरोधाभास और उलझन की स्थिति है, इसलिए इससे उन्हें कोई लाभ नहीं होने जा रहा है। असम की 126 सदस्यीय विधानसभा के लिए पहले चरण में 47 सीटों पर 27 मार्च को और दूसरे चरण में 39 सीटों पर एक अप्रैल को जबकि तीसरे चरण में 40 सीटों पर छह अप्रैल को मतदान होगा।

जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में बीएसएफ और आतंकवादी के बीच मुठभेड़, एक आतंकी ढेर

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में रविवार को सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में एक आतंकवादी मारा गया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया सूचना मिलने के बाद जिले के रावलपोरा इलाके में सुरक्षाबलों ने शनिवार को घेराबंदी कर तलाश अभियान चलाया। उन्होंने बताया कि आतंकवादियों द्वारा गोलीबारी किए जाने के बाद सुरक्षाबलों ने भी जवाबी कार्रवाई की और तलाश अभियान मुठभेड़ में तब्दील हो गया। अधिकारी ने बताया कि पूरी रात शांति रहने के बाद सुबह दोनों ओर से फिर से गोलीबारी हुई ,जिसमें एक आतंकवादी मारा गया। उन्होंने बताया कि हथियार, गोलाबारूद और अपराध में संलिप्तता साबित करने वाली सामग्री मुठभेड़ स्थल से बरामद की गई है।

हिंद-प्रशांत क्षेत्र का खुला एवं मुक्त होना पर्याप्त नहीं,भारत को भी ऐसा ही होना होगा: चिदंबरम

नयी दिल्ली। क्वाड देशों के नेताओं के शिखर सम्मेलन के एक दिन बाद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम ने शनिवार को सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र का खुला एवं मुक्त रहना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि भारत को भी ऐसा ही होना होगा। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन, जापान के प्रधानमंत्री योशिहिदे सुगा और अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ चार देशों के समूह के नेताओं के पहले ऑनलाइन शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया था। 'क्वाड' नेताओं ने खुले, मुक्त, समावेशी, स्वस्थ, लोकतांत्रिक मूल्यों से जुड़े हिन्द-प्रशांत क्षेत्र के प्रति संकल्प व्यक्त किया था। चिदंबरम ने ट्वीट किया, ''यह पर्याप्त नहीं है, जैसा कि क्वाड नेताओं ने कहा, हिंद-प्रशांत क्षेत्र खुला और स्वतंत्र है।'' उन्होंने कहा, ''भारत (को भी) खुला और मुक्त होना चाहिए। दमनकारी कानून और असंतोष का दमन खुले और स्वतंत्र देश की पहचान नहीं है।

आंध्र प्रदेश : सड़क हादसे में छह कृषि मजदूरों की मौत, आठ अन्य घायल

अमरावती (आंध्र प्रदेश)। आंध्र प्रदेश के कृष्णा जिले में नुजिविदु के नजदीक रविवार सुबह एक सड़क हादसे में छह कृषि मजदूरों की मौत हो गई जबकि आठ अन्य घायल हो गए हैं। पुलिस ने बताया कि ये लोग विजयवाड़ा से 55 किलोमीटर दूर नुजिविदु के नजदीक लियोन टांडा नामक आदिवासी बस्ती के रहने वाले थे और ऑटोरिक्शे से नजदीकी गांव जा रहे थे तभी अज्ञात वाहन ने उनके ऑटो में टक्कर मार दी। पुलिस ने बताया कि छह मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि आठ लोग घायल हो गए, जिन्हें नुजिविदु और विजयवाडा के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। नुजिविदु के उप-खंड पुलिस अधिकारी श्रीनिवासुलु ने बताया कि मामला दर्ज कर टक्कर मारने वाले वाहन की तलाश की जा रही है। आंध्र प्रदेश के राज्यपाल बिश्वभूषण हरिचंदन, उप मुख्यमंत्री (स्वास्थ्य) एकेके श्रीनिवास, गृहमंत्री एम सुचित्रा, तेलुगुदेशम पार्टी अध्यक्ष एन चंद्रबाबू नायडू और जन सेना के अध्यक्ष के पवन कल्याण ने इस हादसे पर शोक व्यक्त किया है। श्रीनिवास ने कृष्णा जिले के चिकित्सा अधिकारी को घायलों का बेहतर इलाज सुनिश्चित करने केनिर्देश दिए हैं। उन्होंने मृतकों के परिवार को सरकारी सहायता उपलब्ध कराने का भी आश्वासन दिया है।

राष्ट्रपति कोविंद गंगा आरती में हुए शामिल, राज्यपाल और मुख्यमंत्री आदित्यनाथ भी रहे मौजूद

वाराणसी। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद शनिवार को वाराणसी में सपरिवार गंगा आरती में शामिल हुए। इस दौरान उनके साथ उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद थे। गंगा की दैनिक आरती में नौ अर्चकों सहित रिद्धि सिद्धि के रूप में अठारह कन्याओं ने आरती सम्पन्न करायी। इसके पहले राष्ट्रपति कोविंद ने सपरिवार काशी विश्वनाथ के दर्शन किए। इस दौरान भी आदित्यनाथ और राज्यपाल पटेल उनके साथ मौजूद रहे।

ह्वीलचेयर पर बैठकर ममता बनर्जी ने किया रोड शो, कहा- घायल बाघ और अधिक खतरनाक

कोलकाता। (एजेंसी)।

पश्चिम बंगाल के नंदीग्राम में चुनाव प्रचार के दौरान घायल होने के करीब चार दिन बाद तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ममता बनर्जी ने रविवार को व्हीलचेयर पर बैठकर अपनी पार्टी के एक रोड शो का नेतृत्व किया और कहा कि एक घायल बाघ और अधिक खतरनाक होता है। बनर्जी के साथ टीएमसी के वरिष्ठ नेता भी थे। बनर्जी हाथ जोड़कर लोगों का अभिवादन स्वीकार कर रही थीं जबकि सुरक्षाकर्मी उनके व्हीलचेयर को पकड़ कर आगे बढ़ा रहे थे। बनर्जी 'नंदीग्राम' दिवस के मौके पर मायो रोड से हाजरा मोड़ तक पांच किलोमीटर लंबे रोडशो में शामिल हुईं। टीएमसी 14 मार्च को 'नंदीग्राम दिवस' के तौर पर मनाती है।

पार्टी 2007 में जमीन अधिग्रहण विरोधी आंदोलन के दौरान 14 मार्च को पुलिस की गोलीबारी में मारे गए 14 ग्रामीणों की याद में यह दिवस मनाती है। बनर्जी हाई-प्रोफाइल नंदीग्राम सीट पर पहली बार चुनाव लड़ रही हैं। बनर्जी का मुकाबला उनके पूर्व विश्वासपात्र शुभेंदु अधिकारी के साथ है, जो अब भाजपा में शामिल हो गए हैं। घंटे भर के रोडशो के बाद सभा को संबोधित करते हुए बनर्जी ने कहा कि उन्हें चुनाव प्रचार करने से रोकने के प्रयास विफल हो गए हैं। उन्होंने कहा कि वह व्हीलचेयर पर राज्य भर में टीएमसी उम्मीदवारों के लिए प्रचार करेंगी। उन्होंने कहा, ''मैंने अपने जीवन में बहुत सारे हमलों का सामना किया है, लेकिन मैंने कभी किसी के सामने आत्मसमर्पण नहीं किया है। मैं अपना सिर कभी नहीं झुकाऊंगी। एक घायल बाघ और अधिक खतरनाक हो जाता है।'' बनर्जी 10 मार्च को नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद प्रचार करने के दौरान नंदीग्राम में चोटिल हो गई थीं।

तृणमूल कांग्रेस ने दावा किया था कि यह ''उनकी जान लेने का भाजपा का षड्यंत्र था।'' चुनाव आयोग ने हालांकि इससे इनकार किया है कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री एवं सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस नेता पर कोई हमला हुआ था। चुनाव आयोग ने यह बात आयोग के दो विशेष चुनाव पर्यवेक्षकों और राज्य सरकार द्वारा भेजी गई रिपोर्टों की समीक्षा के बाद कही। आयोग ने कहा कि बनर्जी को चोट उनके सुरक्षा प्रभारी की चूक के कारण लगी। उन्होंने कहा, ''डॉक्टरों ने मुझे आज प्रचार के लिए बाहर नहीं जाने की सलाह दी। लेकिन मुझे लगा कि मुझे आज की रैली में शामिल होना चाहिए क्योंकि मेरी चोट के कारण हम पहले ही कुछ दिन गंवा चुके हैं।'' उन्होंने कहा, ''मेरा दर्द लोगों की पीड़ा से अधिक नहीं है, क्योंकि तानाशाही के जरिये लोकतंत्र को रौंदा जा रहा है।'' बनर्जी कहा कि वह रविवार शाम में दुर्गापुर के लिए रवाना होंगी और सोमवार को दो रैलियों को संबोधित करेंगी।

टीएमसी के कार्यकर्ताओं ने बनर्जी को 'बंगाल की बेटी' बताने वाले पोस्टर और तख्तियां पकड़ी हुई थीं। तृणमूल कांग्रेस समर्थकों ने भाजपा के खिलाफ नारेबाजी की और विधानसभा चुनाव में 'बाहरी लोगों को हराने' की अपील की। तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बनर्जी के पैर की चोट की ओर से इशारा करते हुए नारा लगाया, ''भंगा पाये खेला होबे।'' बनर्जी ने रोडशो के लिए पहुंचने से पहले ट्वीट किया, ''हम बिना डरे लड़ाई जारी रखेंगे। मुझे अब भी बहुत दर्द है, लेकिन मुझे मेरे लोगों का दर्द इससे कहीं ज्यादा महसूस होता है। अपनी पवित्र भूमि की सुरक्षा करने की लड़ाई में, हमने बहुत कुछ सहन किया है तथा और सहन करेंगे लेकिन हम कायरता के आगे कभी नहीं झुकेंगे।

नंदीग्राम से राकेश टिकैत की अपील, कहा- विधानसभा चुनाव में भाजपा को वोट न दे जनता

कोलकाता/नंदीग्राम (पश्चिम बंगाल)। संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर किसानों ने शनिवार को कोलकाता और नंदीग्राम में महापंचायतों को आयोजन किया और लोगों से पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा को वोट नहीं देने का आग्रह किया। नंदीग्राम से मुख्यमंत्री ममता बनर्जी चुनाव लड़ रही है। किसान नेता और भारतीय किसान यूनियन के प्रमुख राकेश टिकैत महापंचायत में शामिल होने के लिए दिन में राज्य पहुंचे। तृणमूल कांग्रेस की सांसद डोला सेन ने हवाई अड्डे पर टिकैत की अगवानी की। इसके बाद टिकैत ने शहर में और पूर्वी मेदिनीपुर जिले के नंदीग्राम में सामाजिक कार्यकर्ता मेधा पाटकर के साथ किसानों को संबोधित किया। टिकैत ने आरोप लगाया कि केंद्र में भाजपा की अगुवाई वाली सरकार किसानों और उनके आंदोलन की रीढ़ तोड़ने पर आमादा है। उन्होंने कहा कि यह ''जन-विरोधी'' सरकार है। उन्होंने कहा, ''भाजपा को वोट मत देना। अगर उन्हें वोट दिया गया तो वे आपकी जमीन बड़े कॉर्पोरेट्स और उद्योगों को दे देंगे और आपको भूमिहीन बना देंगे। वे आपकी आजीविका दांव पर लगाकर देश के बड़े उद्योगपति समूहों को जमीन सौंप देंगे और आपको खतरे में डाल देंगे।'' टिकैत ने भाजपा को ''धोखेबाजों की पार्टी'' कहते हुए कहा, ''हम भाजपा का विरोध करने वालों और किसानों तथा गरीबों के साथ खड़े होने वालों के पाले में रहेंगे।'' उन्होंने स्पष्ट किया कि बंगाल में किसान महापंचायत का मतलब राज्य में किसी विशेष गैर-भाजपा पार्टी को समर्थन देना नहीं है। उन्होंने कहा, ''मैं यहां किसी विशेष पार्टी के लिए वोट मांगने के लिए नहीं आया हूं। हम यहां बंगाल में किसानों की ओर से भाजपा के खिलाफ लड़ाई शुरू करने के लिए अपील कर रहे हैं।'' नंदीग्राम की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि किसानों के आंदोलन की यह भूमि केन्द्र के नये कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन को एक नई दिशा देगी।

कांग्रेस ने केवल सत्ता हासिल करने के लिए एआईयूडीएफ के साथ गठबंधन किया: राजनाथ

डेरागांव (असम)। (एजेंसी)।

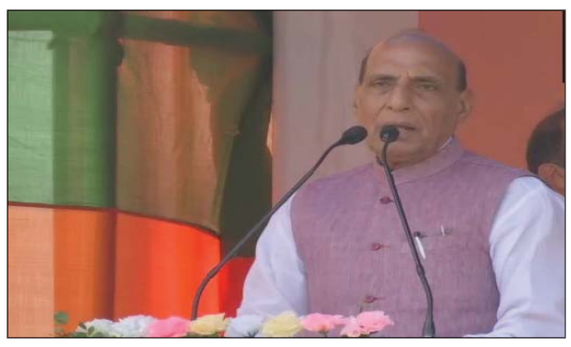

असम के पूर्व मुख्यमंत्री तरूण गोगोई ने ऑल इंडिया यूनाईटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) के साथ कभी गठबंधन नहीं किया लेकिन अब कांग्रेस ने बदरूद्दीन अजमल नीत पार्टी के साथ केवल राज्य की सत्ता हासिल करने के लिए हाथ मिलाया है। यह दावा रविवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने किया। असम में आज अपनी तीसरी रैली को संबोधित करते हुए भाजपा के वरिष्ठ नेता सिंह ने दावा किया कि कांग्रेस विभाजन की राजनीति कर रही है, जबकि भाजपा मानवता की राजनीति में संलग्न है।

सिंह ने कहा, ''कांग्रेस को क्या हो गया है? तरूण गोगोई जब 15 वर्षों तक मुख्यमंत्री रहे तो उन्होंने एआईयूडीएफ के साथ कभी समझौता नहीं किया। लेकिन आज वे एआईयूडीएफ के साथ हैं। क्यों? क्या महज चुनाव जीतने के लिए और सत्ता हासिल करने के लिए?'' कांग्रेस ने राज्य में 126 सदस्यीय विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए एआईयूडीएफ और छह अन्य दलों के साथ मिलकर महागठबंधन बनाया है। उन्होंने विपक्षी दल पर आरोप लगाया कि वह देश और राज्य को धर्म के नाम पर बांट रहा है। गोलाघाट जिले के डेरागांव विधानसभा क्षेत्र में उन्होंने कहा, ''भाजपा धर्म की राजनीतिनहीं करती है। हम इंसानों के लिए, मानवता की राजनीति करते हैं।'' यहां प्रथम चरण में 27 मार्च को चुनाव होने वाले हैं। सिंह ने कहा कि देश की सेवा की मंशा से गठबंधन बनाए जाने चाहिए न कि महज सरकार बनाने के लिए। सीमा पर शहीद होने वाले सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि भाजपा आंतरिक सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय सीमाओं की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। भाजपा की सहयोगी असम गण परिषद् के निवर्तमान विधायक भावेंद्र नाथ भराली के चुनाव प्रचार के लिए रैली का आयोजन किया गया था जो कांग्रेस उम्मीदवार बानी हजारिका के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं।

भारत में कोरोना मामलों का ग्राफ चढ़ा! 24 घंटे में 25 हजार से ज्यादा नए केस, 158 की मौत

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

भारत में कोरोना वायरस संक्रमण के रविवार को 25,320 नए मामले सामने आए, जो पिछले 84 दिन में संक्रमितों की सर्वाधिक संख्या है। इसके साथ ही देश में अब तक संक्रमित पाए गए लोगों की कुल संख्या बढ़कर 1,13,59,048 हो गई है। इससे पहले 20 दिसंबर को संक्रमण के 26,624 नए मामले सामने आए थे। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के सुबह आठ बजे के अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, देश में कोविड-19 के कारण रविवार को 161 लोगों की मौत हो गई, जो पिछले 44 दिन में सर्वाधिक मृतक संख्या है। देश में संक्रमण के कारण अब तक कुल 1,58,607 लोगों की मौत हो चुकी है।

मंत्रालय ने बताया कि देश में 2,10,544 लोग उपचाराधीन हैं, जो कुल संक्रमितों का 1.85 प्रतिशत है। देश में लोगों के स्वस्थ होने की दर शनिवार को 96.82 प्रतिशत थी, जो रविवार को गिरकर 96.75 प्रतिशत हो गई। आंकड़ों के अनुसार, देश में 1,09,89,897 लोग संक्रमणमुक्त हो चुके हैं, जबकि मृत्युदर 1.40 प्रतिशत बनी हुई है। देश में पिछले साल सात अगस्त में संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त को 30 लाख और पांच सितंबर को 40 लाख से अधिक हो गई थी। वहीं, संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर को 50 लाख, 28 सितंबर को 60 लाख, 11 अक्टूबर को 70 लाख, 29 अक्टूबर को 80 लाख, 20 नवम्बर को 90 लाख और 19 दिसंबर को एक करोड़ के पार चले गए थे। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के अनुसार, देश में 13 मार्च तक 22,67,03,641 नमूनों की कोविड-19 संबंधी जांच की गई, जिनमें से 8,64,368 नमूनों की जांच शनिवार को की गई।

अखिलेश यादव ने कहा- दूसरों पर आरोप लगाने वाले स्वयं संघीकेट से संचालित

लखनऊ। (एजेंसी)।

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी की सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि दूसरों पर सिंडीकेट से संचालित होने का आरोप लगाने वाले लोग वास्तव में स्वयं 'संघीकेट' से संचालित हैं। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव और उनके 20 समर्थकों के खिलाफ पत्रकारों की कथित पिटाई के मामले में शुक्रवार को आधी रात के बाद प्राथमिकी दर्ज की गई थी। इसके बाद मुरादाबाद के सपा जिलाध्यक्ष ने भी दो पत्रकारों के खिलाफ साजिश रचने समेत कई धाराओं में मामला दर्ज कराया।

पूर्व मुख्यमंत्री ने रविवार को ट्वीट किया, ''आज जिस प्रकार संविधान पर हमले हो रहे हैं, नेताओं पर झूठे मुकदमों व जांच एजेंसियों के छापे के बाद अब शारीरिक हमले तक हो रहे हैं, वो भाजपा की हिंसक राजनीतिक सोच का कुपरिणाम है।'' उन्होंने कहा, ''दूसरों पर सिंडीकेट से संचालित होने का आरोप लगाने वाले लोग वास्तव में स्वयं 'संघीकेट' से संचालित हैं।'' प्राथमिकी दर्ज किये जाने की बात शनिवार को सार्वजनिक होते ही सपा अध्यक्ष यादव ने भाजपा सरकार पर आक्रोश जाहिर करते हुए ट्वीट किया, ''उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार ने मेरे खिलाफ जो प्राथमिकी लिखवाई है, जनहित में उसकी प्रति प्रदेश के हर नागरिक के सूचनार्थ यहां प्रकाशित कर रहे हैं।

अगर आवश्यकता पड़ी तो राजधानी लखनऊ में होर्डिंग भी लगवा देंगे। यह प्राथमिकी हारती हुई भाजपा की हताशा का प्रतीक है।'' यादव ने रविवार को अपने सिलसिलेवार ट्वीट में कहा, ''कासगंज में सपा और महान दल की संयुक्त किसान महापंचायत में उमड़े अपार जनसमर्थन ने दिखा गया है कि उत्तर प्रदेश में सपा के नेतृत्व में परिवर्तन की आंधी चलेगी। किसान-मजदूर, दलित, गरीब, महिला, युवा व कारोबार विरोधी भाजपा अब गयी। यादव ने कहा, ''किसान राजनीतिक खेत से भाजपा को जड़ से उखाड़ फेंकेंगे। बदायूं में सपा के समय बनना शुरू हुये मेडिकल कॉलेज का काम भाजपा सरकार के चार साल के कार्यकाल में पूरा नहीं हो पाया। भाजपा के लिए सिर्फ चुनाव जीतना मुद्दा रहता है, जन स्वास्थ्य या चिकित्सा नहीं।

येदियुरप्पा ने लोगों से अपील, कहा- अगर आप एक और लॉकडाउन नहीं चाहते, तो सहयोग करें

बेंगलुरू। (एजेंसी)।

कर्नाटक में कोरोना वायरस संक्रमण के बढ़ते मामलों पर चिंता जताते हुएप्रदेश के मुख्यमंत्री बी एस येदियुरप्पा ने रविवार को कहा कि यह महामारी राज्य में अनियंत्रित होती लग रही है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने लोगों से कहा कि अगर वे एक अन्य लॉकडाउन नहीं चाहते हैं तो महामारी की रोकथाम के उपायों का पालन कर सहयोग करें। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में बढ़ते कोविड-19 मामलों के चलते अधिकारियों एवं स्वास्थ्य विशेषज्ञों की सोमवार को विधान सौध में एक बैठक बुलायी है।

येदियुरप्पा ने बैठक बुलाने की घोषणा करते हुये कहा, ''मैं हाथ जोड़ कर लोगों से सहयोग करने की अपील करता हूं .....अगर लोग सहयोग करते हैं तो मुझे पूरा भरोसा है कि बिना लॉकडाउन के हम इसे नियंत्रित कर लेंगे।'' महाराष्ट्र में कोरोना वायरस के संक्रमण के बढ़ते मामलों के बीच प्रदेश के कुछ हिस्सों में लागू किये गये लॉकडाउन के संदर्भ में कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने लोगों से यह अपील की है। कोरोना वायरस के कारण पिछले साल मार्च में देशव्यापी लॉकडाउन लागू किया गया था जिसमें चरणबद्ध तरीके से ढील दी गयी थी। इसके बाद कर्नाटक में करीब करीब सभी गतिविधियों को अनुमति दी गयी थी। इस साल 22 जनवरी के बाद पहली बार प्रदेश में कोविड-19 के 900 से अधिक मामले सामने आये हैं। प्रदेश में कुल 921 नये मामले सामने आये हैं और इनमें से 630 मामले अकेले बेंगलुरू अर्बन जिले में आये हैं। पिछले सोमवार से प्रदेश में अब तक 4300 से अधिक नये मामले सामने आये हैं। इसके साथ ही प्रदेश में कोविड-19 संक्रमित मरीजों का आंकड़ा9,59,338 पर पहुंच गया है। इनमें से 12,387 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 9,38,890 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं। प्रदेश में फिलहाल 8,042 मरीज उपचाराधीन हैं। यह आंकड़ा पिछले महीने 4,000-5,000 के करीब था। येदियुरप्पा ने संवाददाताओं से कहा, ''पिछले एक महीने से, ऐसा लगता है कि कोविड-19 अनियंत्रित होने जा रहा है। दिन ब दिन मामलों की संख्या बढ़ रही है। इसलिये हमने कल एक बैठक बुलायी है। '' इससे पहले मुख्यमंत्री कार्यालय ने रविवार को बयान जारी कर बताया कि कर्नाटक में हाल के दिनों में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में हुयी वृद्धि के मद्देनजर प्रदेश के मुख्यमंत्री बी एस येदियुरप्पा ने सोमवार को अधिकारियों एवं स्वास्थ्य विशेषज्ञों की बैठक बुलायी है। बयान के अनुसार, यह बैठक सोमवार को शाम पांच बजे विधान सौध में होगी, जहां प्रदेश विधानसभा एवं सचिवालय स्थित है।

असम की जनसभा में बोले अमित शाह- कांग्रेस ऐसे दलों से गठबंधन कर रही है जो देश को बांटना चाहते हैं

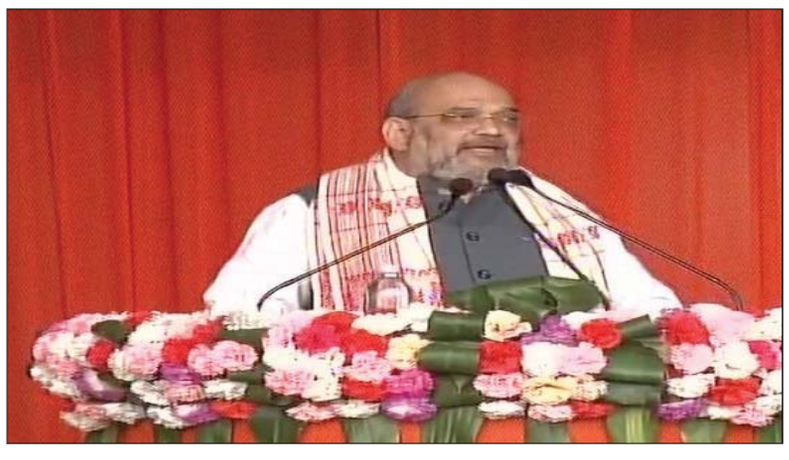

मार्गरीटा (असम)। (एजेंसी)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी पर उन राजनीतिक दलों के साथ गठजोड़ करने के लिए तीखे हमले किए, जो ''देश को बांटना चाहते हैं।'' शाह ने कहा कि भाजपा वोट बैंक की राजनीति नहीं करती है। शाह ने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी ने ''15 साल तक राज्य में शासन करने और राज्य का प्रतिनिधित्व करने वाला एक प्रधानमंत्री होने के बावजूद'' पड़ोसी देशों से अवैध घुसपैठ के मुद्दे को हल करने के लिए कुछ नहीं किया। शाह परोक्ष तौर पर मनमोहन सिंह की ओर इशारा कर रहे थे, जिन्होंने राज्यसभा में असम का प्रतिनिधित्व किया।

शाह ने यहां एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा, ''कांग्रेस चुनाव जीतने के लिए किसी भी हद तक जा सकती है। उसने असम में बदरुद्दीन अजमल की एआईयूडीएफ, केरल में मुस्लिम लीग और पश्चिम बंगाल में इंडियन सेक्युलर फ्रंट के साथ गठबंधन किया है। असम अजमल के हाथों में सुरक्षित नहीं रह सकता है।'' उन्होंने कहा, ''असम के लोग तय कर सकते हैं कि उनके कल्याण के बारे में कौन ज्यादा चिंतित है - प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी या बदरुद्दीन अजमल।'' केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भाजपा ने पिछले पांच वर्षों के दौरान घुसपैठियों को सफलतापूर्वक बाहर किया, जिन्होंने काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में जमीन पर कब्जा कर लिया था और धार्मिक निकायों के स्वामित्व वाले भूखंडों पर कब्जा कर लिया था।''

उन्होंने दावा किया, ''पांच साल पहले, मैंने भाजपा अध्यक्ष के रूप में असम को ''आंदोलन मुक्त'' और ''आतंकवाद मुक्त'' (उग्रवाद-मुक्त) बनाने का वादा किया था। हमने अपनी प्रतिज्ञा पूरी की है और अब राज्य में कोई आंदोलन या कोई उग्रवाद नहीं है।'' शाह ने दावा किया, ''असम शांति और विकास का अनुभव कर रहा है। हमें और पांच साल दें और हम घुसपैठ की समस्या का भी हल करने में सक्षम होंगे।'' शाह ने कांग्रेस नेताओं पर निशाना साधा जिन्होंने सत्ता में आने पर चाय बागानों के श्रमिकों की सहायता करने का वादा किया है। शाह ने कहा कि पार्टी को चुनाव के दौरान ही इन मजदूरों की याद आती है। उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चाय बागानों के श्रमिकों के जीवन और कामकाज की स्थिति को बेहतर बनाने के लिए कई पहल की है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

किसान-सेहत की फिक्र

हरियाणा सरकार के पिछले बजट के लक्ष्यों पर जहां कोरोना संकट की छाया दिखी, वहीं आगामी बजट में कोरोना संकट काल में उपजी चुनौतियों से मुकाबला करने की चिंता नजर आई है। शुक्रवार को हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने वित्तमंत्री के रूप में अपना दूसरा बजट पेश किया। उन्होंने प्रदेश के विकास को गति देना ही बजट का लक्ष्य बताया। दरअसल, कोरोना संकट तथा लॉकडाउन से उपजी चुनौतियों के मुकाबले को बजट में प्राथमिकता दी गई है। इस बार सरकार ने 1,55,645 करोड़ रुपये का बजट पेश किया, जो बीते साल के मुकाबले तेरह फीसदी अधिक है। इस बजट का एक-चौथाई हिस्सा पूंजीगत व्यय तथा तीन-चौथाई भाग राजस्व व्यय होगा। आगामी वित्तीय वर्ष में राजकोषीय घाटा सकल राज्य घरेलू उत्पाद का 3.83 फीसदी रहने का अनुमान है। केंद्र सरकार के नये कृषि सुधारों के देशव्यापी विरोध के बीच स्वाभाविक रूप से सरकार के बजट के केंद्र में जहां किसान व कृषि रही है, वहीं स्वास्थ्य व शिक्षा उसकी प्राथमिकता बन गई है। इन क्षेत्रों को मजबूत बनाने के लिये जहां बजट बढ़ाया गया है वहीं मुकाबले के लिये नई रणनीति बनायी गई है। जाहिरा तौर पर कोरोना संकट, बेरोजगारी व महंगाई के दौर में किसी नये कर लगाने का अच्छा संदेश नहीं जाता, सो सरकार ने बजट में कोई नया कर लगाया भी नहीं। कोरोना संकट के चलते राज्य में प्रति व्यक्ति आय का घटना स्वाभाविक रूप से सरकार की चिंता में शामिल है। दरअसल, लॉकडाउन के दौरान प्रतिबंध के चलते राज्य के राजस्व को बारह हजार करोड़ का नुकसान हुआ है। देश में कोरोना संकट में बड़ा सामाजिक संत्रास देखने को मिला है, तभी बजट में समाज कल्याण के लिये भी पहल की गई है, जिसके अंतर्गत वृद्धावस्था पेंशन में 250 रुपये की वृद्धि, अनुसूचित जति के लोगों को दी जाने वाली कानूनी सहायता को दुगना करने तथा अंत्योदय उत्थान अभियान चलाने का भी निर्णय किया गया। बजट पर पहली नजर से ही स्पष्ट होता है कि सरकार का लक्ष्य किसानों का विश्वास हासिल करना, महामारी से उपजे हालात में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार तथा ग्रामीण विकास को प्राथमिकता देना है। दरअसल, राज्य में इस साल होने वाले पंचायती राज्य संस्थाओं के चुनाव के मद्देनजर कृषि व किसान कल्याण और ग्रामीण विकास को तरजीह दी गई है। प्रदूषण मुक्त खेती योजना के तहत तीन साल के भीतर एक लाख एकड़ क्षेत्र को इसके अंतर्गत लाने, किसान मित्र योजना शुरू करने तथा प्रदेश में एक हजार किसान एटीएम लगाने की योजना है। महामारी ने सबक दिया है कि बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं ही एक मात्र समाधान हैं, जिसके चलते राज्य में साढ़े तीन सौ चिकित्सा अधिकारियों व साठ दंत चिकित्सकों के पद सृजित करने का फैसला किया गया है। एक हजार हेल्थ वेलनेस केंद्र खोले जायेंगे। साथ ही महाराजा अग्रसेन मेडिकल कॉलेज अग्रोहा में एक कैंसर इंस्टीट्यूट बनाया जायेगा। आयुष सहायकों तथा आयुष कोच की अनुबंध के आधार पर भर्ती होगी। निजी क्षेत्रों में पचास हजार नौकरियां देने का वादा भी बजट में खट्टर सरकार ने किया है। शिक्षा भी खट्टर सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल रही है। कोरोना संकट से मिले सबक के बाद सरकारी स्कूलों में डिजिटल क्लास रूम बनाने के लिये सात सौ करोड़ का प्रावधान सकारात्मक पहल है, जिसमें छात्रों के लिये टैबलेट उपलब्ध कराये जाएंगे। सरकार का दावा है कि राज्य में वर्ष 2025 तक नई शिक्षा नीति को क्रियान्वित कर लिया जायेगा। नौवीं से बारहवीं तक के विद्यार्थियों को मुफ्त शिक्षा देने का लक्ष्य रखा गया है।

भूख से जूझती आबादी, थाली में भोजन की बर्बादी

– डा. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम की हालिया फूड वेस्ट इंडेक्स रिपोर्ट बेहद चिंतनीय होने के साथ ही गंभीर भी है। रिपोर्ट के अनुसार सबसे चिंतनीय बात यह है कि दुनिया के देशों में 11 फीसदी भोजन हमारी थाली में नष्ट होता है। थाली में नष्ट होनेवाली भोजन की मात्रा में साधन संपन्न और साधनहीन, सभी तरह के देश समान रूप से एक ही स्थान पर आते हैं। यानी विकसित, विकासशील, अर्द्धविकसित और विकासहीन देशों में भोजन की बर्बादी को लेकर कोई भेद नहीं किया जा सकता है। खास बात यह कि एक ओर खाद्यान्नों की कमी और कुपोषण बड़ी समस्या है तो दूसरी तरफ अन्न की बर्बादी के प्रति कोई चिंता नहीं है। देखा जाए तो अन्न की यह बर्बादी हमारे हाथों हो रही है। इसके हम सभी भागीदारी हैं। यह तब है जब सारी दुनिया कोरोना संकट से अभी उबर नहीं पाई है। यह भी सच है कि कोरोना में भोजन की सहज उपलब्धता बड़ा सहारा बनी है। जब सबकुछ थम गया, सबके ब्रेक लग गए उस समय अन्नदाता की मेहनत के परिणाम से ही दुनिया बच सकी। नहीं तो अन्न के लिए जो अव्यवस्था सामने आती वह कोरोना से भी गंभीर होती। 2019 के आंकड़ों का ही अध्ययन करें तो दुनिया में करीब 69 करोड़ लोग भूख से जूझ रहे थे। यानी 69 करोड़ लोगों को दो जून की भरपेट रोटी नहीं मिल पा रही थी। दुनिया के देशों की बात करें या ना करें पर हमारी सनातन संस्कृति में अन्न को ईश्वर का रूप में माना जाता रहा है। खेत में अन्न उपजने से लेकर उसके उपयोग तक की प्रक्रिया तय की गई है। किस तरह किस अन्न पर किसका हक रहेगा, यहां तक कि पशु-पक्षियों तक के लिए अन्न की हिस्सेदारी तय की जाती रही है। हमारे यहां रसोई को सबसे पवित्र स्थान माना जाता रहा है। रसोई की शुद्धता और शुचिता पर खास ध्यान दिया गया है। अन्नमय कोष की बात की गई है तो भूखे भजन न होय गोपाला जैसे संदेश भोजन की महत्ता की ओर इंगित करते हैं। रसोई में खाना बनाते समय पशुओं का भी ध्यान रखा गया है और यह हमारी परंपरा ही है कि जिसमें पहली रोटी गाय के लिए तो आखिरी रोटी श्वान के लिए बनाने की बात की गई है। आज भी कहा जाता है कि महिलाएं चौका में व्यस्त रहती हैं। एक समय था जब रसोई की शुद्धता पर सबसे अधिक बल दिया जाता था। भोजन करने के भी नियम-कायदे तय किए गए। भजन और भोजन शांत मन से करने की बात की गई। खड़े-खड़े पानी पीने तक को निषिद्ध किया गया। पानी की शुद्धता पर बल दिया गया। भोजन करने से पहले अच्छी तरह हाथ धोने, चौके में भोजन करने और इसी तरह के अनेक नियम-कायदे बनाए गए। समय बदलाने के साथ इन्हें पुरातनपंथी कहकर नकारा गया। आज दुनिया के देशों को इनका महत्व समझ में आने लगा है। भोजन करने से पहले अच्छी तरह से हाथ धोने के लिए यूरोपीय देशों में अभियान तक चलाना पड़ रहा है। बच्चों को शिक्षित किया जा रहा है। हालिया कोरोना महामारी में एक महत्वपूर्ण सुरक्षा उपाय हाथों को बार बार धोना भी शामिल है। दरअसल जिस तरह की खानपान की व्यवस्था सामने आई है उसके दुष्परिणाम भोजन की बर्बादी के रूप में देखा जा सकता है। शादी-विवाह या किसी आयोजन के दूसरे दिन आयोजन स्थल गार्डन, सामुदायिक केन्द्र या इसी तरह के किसी सार्वजनिक स्थान के पास से गुजरने पर भोजन की बर्बादी दृष्टिगोचर हो जाती है। गार्डन या ऐसे स्थान के बाहर सड़क पर एकदिन पहले बनी सब्जियों आदि को फैले हुए आसानी से देखा जा सकता है। पशुओं को इसके आसपास मंडराते देखा जा सकता है। इलाके में बदबू फैलने की बात अलग है। इसी तरह किसी समारोह में खाने की प्लेटों को देखेंगे तो स्थिति साफ हो जाती है। भीड़ से बचने के लिए एकसाथ ही इस तरह से प्लेट को भर लिया जाता है कि दोबारा वह खाने की वस्तु मिलेगी या नहीं, ऐसा समझने लगते हैं या फिर दोबारा भीड़ में कौन आएगा। ऐसे में प्लेटों में छूटने वाली खाद्य सामग्री, सभ्य समाज का मुंह चिढ़ाती हुई दिख जाती है। यह सब सामने हैं। एक समय था जब परिवार के बड़े-बुजुर्ग थाली में जूठन छोड़ने पर बच्चों को नसीहत देते हुए मिल जाते थे। भोजन की थाली में जूठन छोड़ने को अपशकुन व उचित नहीं माना जाता था। पर अब स्थितियां बदल गई हैं। किसी को भी अन्न की बर्बादी की चिंता नहीं। एक तथ्य और सामने आया है और वह यह कि कोरोना के दौर में लॉकडाउन के चलते लोगों में खानपान की सामग्री के संग्रह की प्रवृत्ति बढ़ रही है। खासतौर से यूरोपीय देशों में यह देखा गया है। दरअसल हमारे यहां प्रचुर मात्रा में कच्ची सामग्री संग्रहित होती है, वहीं यूरोपीय देशों में ब्रेड, पाव और इसी तरह की वस्तुओं का अधिक उपयोग होता है। इस सामग्री का उपयोग एक समय सीमा तक ही किया जा सकता है और उसके बाद वह उपयोग के योग्य नहीं रहती। ऐसे में यूरोपीय देशों में जरूरत से अधिक इस तरह की सामग्री के संग्रहण से बहुत अधिक भोजन सामग्री बर्बाद हुई और कोरोना जैसी परिस्थितियों में भोजन की बर्बादी का प्रमुख कारण बनी। ऐसे में सोचना होगा कि भोजन की बर्बादी को कैसे रोका जाए। यह अपने आप में गंभीर समस्या हो गई है। दुनिया के सामने दो तरह की चुनौतियां साफ है। एक दुनिया का बहुत बड़ा हिस्सा ऐसे लोगों का है जिन्हें एक समय का भरपेट भोजन नहीं मिल पाता तो पौष्टिक भोजन की बात बेमानी है। ऐसे में अन्न के एक-एक दाने को सहेजना होगा और भोजन के एक-एक कण को बर्बादी से बचाना होगा।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

आज का राशीफल

मेष पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। मादक वस्तुओं का प्रयोग न करें। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

वृषभ व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होंगे। रचनात्मक प्रयास लाभप्रद होंगे। घर के मुखिया या संबंधित अधिकारी का सहयोग मिलेगा। फिजूल खर्च पर नियंत्रण रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें।

मिथुन दाम्पत्य जीवन में तनाव आ सकते हैं। कुछ व्यावसायिक समस्याएं आ सकती हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। निजी संबंधों के मामले में अतृप्त महसूस करेंगे।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

सिंह जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा।

कन्या सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजनाओं में कठिनता का अनुभव कर सकते हैं। विरोधी परास्त होंगे।

तुला पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। जारी प्रयास सफल होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें, इससे विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

धनु आर्थिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

मकर जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाग्य वश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कुम्भ दाम्पत्य जीवन में व्यर्थ के तनाव आ सकते हैं। किसी रिश्तेदार के कारण स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। क्रोध में वृद्धि होगी। रिश्तों में सुधार हो सकता है। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

पार्टी आत्ममंथन कर बदले रणनीति

कृष्ण प्रताप सिंह

कांग्रेस आज सत्ता के साथ संभावनाएं तक गंवाने के कगार पर जा पहुंची है। कई लोग उसे यह अर्धसत्य याद दिलाने से भी गुरेज नहीं कर रहे कि महात्मा गांधी ने आजादी मिलने के तुरंत बाद ही उसकी भूमिका समाप्त मान ली थी और उसे भंग कर देने के पक्ष में थे। विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी होने के बावजूद वह ज्यादातर दूसरे विपक्षी दलों की विश्वासपात्र नहीं है। सत्ताधीश उसे न तीन में मानते हैं, न तेरह में। फिर भी कांग्रेसमुक्त भारत का आह्वान करते हैं और देश की हर समस्या का ठीकरा उसी पर फोड़ते हैं। जैसे ही वह स्वतंत्रता संघर्ष और उसके मूल्यों से मंडित बहुलवादी भारत के विचार की वारिस होने का दावा करती है, उसे एक परिवार, मां-बेटे या भाई-बहन की पार्टी बताने और अपने सुनहरे दिनों में तात्कालिक राजनीतिक लाभों के लिए 'सुविधाजनक' रास्ते के उसके चयन की मिसालें गिनाने लग जाते हैं। दूसरी ओर, विपक्षी पार्टियों को लगता है कि अपने मूल चरित्र में वह उनकी सत्तारूढ़ भाजपा जैसी ही दुश्मन है क्योंकि न वह देश में तीसरी ताकतों को फूलती-फलती देखना चाहती है, न उसकी जगह सत्ता की 'स्वाभाविक' पार्टी बन रही भाजपा। वे कहती हैं कि नरेन्द्र मोदी ने जब अपनी हिन्दुत्व की परियोजना को शक्तिशाली राजनीतिक विचार में बदलना आरंभ किया तो उसका कारगर जवाब कांग्रेस को ही ढूंढ़ना था। आज कौन कह सकता है कि 2004 के लोकसभा चुनाव में अटलबिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में भाजपा पूर्ण बहुमत से सत्ता में लौट आती तो वही सब न करने लग जाती, जो आज नरेन्द्र मोदी की सरकार कर रही है, लेकिन कांग्रेस जैसे-तैसे उन्हें हराकर निश्चिंत होकर बैठ गई। इस गफलत में कि उसने सारी लड़ाई जीत ली है। 2014 में मोदी के 'महानायकत्व' से हारने के बाद भी वह मुकाबले में आने के लिए उनकी किसी बड़ी गलती की ही प्रतीक्षा करती रही। यह इंतजार, इंतजार ही रह गया तो भी उसने कुछ नहीं सीखा और गत लोकसभा चुनाव में भी उसने उन्हें उन्हीं के हथियारों से हराना चाहा। भाजपा से उसकी सारी लड़ाई हिन्दुत्व के ही दो नरम व गरम रूपों के बीच केन्द्रित हो गई। राहुल गांधी आज भले ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ परिवार से विचारधारा के स्तर पर लड़ने की बात कह रहे हैं, उस वक्त वे अपना जनेऊ दिखा और गोत्र बताकर खुद को 'बेहतर हिन्दू' सिद्ध करने में लगे थे। शायद इसलिए कि 2014 की हार की समीक्षा हेतु गठित पार्टी की एंटनी कमेटी ने अपनी रिपोर्ट में कहा था कि मतदाता उसे 'मुसलमानों की पार्टी' मानने लगे हैं। आज भी कांग्रेस से यह नहीं हो पा रहा कि निर्णायक क्षणों में थोड़ा जोखिम उठाकर दाहिनी या बायीं करवट लेकर खुद को बचाने की सोचे। सोचे भी तो उसके भीतर के विघ्नसंतोषी आत्मघाती विस्फोट करने लगते हैं। इसकी एक मिसाल ग्रुप-23 का ऐन पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के वक्त ही उसके संगठन चुनाव का मुद्दा उठाना और पश्चिम बंगाल व असम के गठबंधनों पर एतराज उठाना है। ठीक है कि 2019 की हार के बाद राहुल थोड़ी बदली-बदली, टू द प्वाइंट और बेलौस राजनीति करते नजर आ रहे हैं। पिछले दिनों संभवतः कांग्रेस की अतीत की गलतियों का बोझ ढोने की नियति से निजात पाने के लिए उन्होंने 1975 में तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी द्वारा देश पर थोपे गये आपातकाल को बड़ी गलती भी करार दिया। साथ ही यह भी कहा कि 1975-77 के दौरान देश में जो कुछ हुआ था, और आज जो हो रहा है, दोनों बिल्कुल अलग-अलग चीजें हैं।लेकिन क्या कांग्रेस के भविष्य के लिए इतना ही पर्याप्त है? नहीं, राहुल या कांग्रेस आपातकाल को बड़ी गलती मानते हैं तो उन्हें यह भी समझना चाहिए कि वही बड़ी गलती कांग्रेस के जमीन से उखड़ने का सबसे बड़ा कारण बनी। उन्हें यह भी समझना चाहिए कि राजनीति में सिर्फ कोरे आदर्शों से काम नहीं चलता। हकीकत यह है कि आपातकाल से खस्ताहाल होना शुरू हुआ कांग्रेस का संगठन आज बुरी तरह ध्वस्त हो चुका है। हर चुनावी शिकस्त के बाद वह खुद भी इसे मानती है, लेकिन फिर अगली हार तक के लिए भुला देती है। इसीलिए आज उसकी असहायता उसे राहुल के अलावा किसी और नेता में अपना भविष्य नहीं देखने दे रही। टूट-फूट के डर से गांधी परिवार से बाहर का अध्यक्ष तक नहीं चुनने दे रही। राहुल अपनी कैजुअल नेता की छवि से बाहर नहीं निकल पा रहे और कई जरूरी अवसरों पर उनकी छुट्टी व विदेश यात्रा शर्मिन्दगी का कारण बन जाती रही है। सवाल है कि ऐसे में आगे का रास्ता क्या हो? कांग्रेस सेवादल के कार्यकर्ता सुझाते हैं कि कांग्रेस का सेवादल, जिसकी स्थापना राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से दो साल पहले 1923 में की गई थी, आज भी साम्प्रदायिक प्रचारों का जवाब देकर देश के सामाजिक, सांस्कृतिक व राजनीतिक विमर्श में कांग्रेस की खोई जगह वापस ला सकता है।

नजरिया

लोग उन्हें कडपा की मदर टेरेसा कहने लगे हैं

नूरी परवीन डॉक्टर

कई लोग उन्हें नूरी परी कहते हैं। किसी-किसी के लिए वह 'कडपा की मदर टेरेसा' हैं। मगर वह तो उन्हीं मूल्यों को जी रही हैं, जो उन्हें विरासत में मिले हैं। आंध्र प्रदेश के कृष्णा जिले में पैदा नूरी परवीन की परवरिश एक ऐसे खानदान में हुई, जो अवाम की खिदमत पर दशकों से ईमान रखता आया है। दादा नूर मोहम्मद 1980 के दशक में कम्युनिस्ट पार्टी के नेता हुआ करते थे। साल 1986 में दुनिया से रुखसत होते वक्त बेटे मोहम्मद मकबूल को वह सिर्फ दुआएं और नसीहतें दे गए थे। दुआएं बेहतर इंसान बनने की और नसीहतें मजलूमों की खिदमत से कभी मुंह न मोड़ने की। बेटे ने पिता के क्षेत्र को तो नहीं अपनाया, क्योंकि सियासत तब तक नई चाल-ढाल में ढल चुकी थी, मगर उनकी नसीहतों का मान हमेशा रखा। मोहम्मद मकबूल ने अपना छोटा-मोटा कारोबार शुरू किया और तीनों बच्चों को तालीमयाफ्ता बनाना उनकी प्राथमिकता में सबसे ऊपर आ गया। नूर जब बहुत छोटी थीं, तभी उनकी मुलाकात अपने करियर से हो गई थी। सिनेमा का नाम तो उन्हें नहीं पता, मगर टीवी पर आ रही उस फिल्म का एक दृश्य उनकी आंखों में हमेशा के लिए पैबस्त हो गया था। सफेद ऐप्रन में ऑपरेशन थिएटर में घुसते एक डॉक्टर के आगे जुड़े कई हाथ और फिर उस पर दुआएं बरसाते गरीब परिजन। नूरी के मन में डॉक्टर बनने की हसरत तभी से पलती रही। चौथी जमात के बाद आगे की पढ़ाई के वास्ते उन सबको विजयवाड़ा आना पड़ा। यहां पर उर्दू माध्यम स्कूल में दाखिला भी मिल गया। लेकिन नूरी जब भी पिता से अपने सपने का जिक्र करतीं, वह यही कहते- बेटी, लड़कियों के लिए स्कूल शिक्षिका की नौकरी बहुत अच्छी होती है। नौ से पांच बजे की तय ड्यूटी और खूब इज्जत भी मिलती है। मगर नूरी तो अपने रब से एक ही मुराद मांगती आई थीं। और उनकी दुआ अर्श से असर भी ले आई। बात तब की है, जब नूरी कक्षा आठ में थीं। एक दिन उनकी मां की छाती में जोरों का दर्द उठा। घर वाले फौरन विजयवाड़ा के एक कॉरपोरेट अस्पताल में लेकर गए। उन्हें कार्डियोलॉजी विभाग में इलाज के लिए ले जाया गया। मगर वहां एक पुरुष डॉक्टर बैठे थे। मोहम्मद मकबूल को थोड़ी हिचक हुई। उन्होंने महिला विशेषज्ञ को बुलाने के लिए कहा। मगर उन दिनों विजयवाड़ा में हृदय रोग विशेषज्ञ ही गिनती के थे, स्त्री और पुरुष का फर्क कौन देखता! यह बात नूरी के पिता को कुछ कचोट गई और उन्होंने उसी वक्त तय किया कि वे अपनी तीनों औलाद को डॉक्टर बनाएंगे। आगे वह इसमें सफल भी हुए। बहरहाल, नूरी पढ़ने में जहीन तो थीं ही, शुरू से ही वह अपनी कक्षा की मॉनीटर भी रहीं, इसलिए उनका आत्मविश्वास लगातार मजबूत होता गया। हाईस्कूल की पढ़ाई उर्दू माध्यम के सरकारी स्कूल से हुई और उन्होंने इस माध्यम में पूरे जिले में टॉप किया था। इसके बाद इंटरमीडिएट में वह अंग्रेजी माध्यम के एक कॉरपोरेट कॉलेज पहुंचीं। भाषा का यह बदलाव आसान न था। संवाद तो टूटी-फूटी जुबान में भी कायम किया जा सकता था, मगर विज्ञान के पाठ्यक्रम को अंग्रेजी माध्यम में समझने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। पर जब लक्ष्य तय हो, तब माध्यम कब तक अड़चन बनता? नूरी ने इस मुश्किल मोर्चे को भी फतह किया और उन्हें अल्पसंख्यक कोटे से कडपा के फातिमा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस (फिम्स) में एमबीबीएस में दाखिला मिल गया। एमबीबीएस की डिग्री हासिल करने के बाद नूरी ने सोचा कि पीजी, डीएम करने में काफी साल लगेंगे, फिर शादी और तमाम दूसरी जिम्मेदारियों में सेवा का उनका मकसद टलता चला जाएगा। उन्होंने तय किया कि पहले वह क्लिनिक शुरू करेंगी, उसके बाद ही कोई और बात सोचेंगी। 19 दिसंबर, 2019 की बात है। नूरी के दिमाग में ख्याल आया कि क्यों न 10 रुपये की फीस के साथ अपनी क्लिनिक शुरू करें! नूरी ने इस पर अपने सीनियर डॉक्टरों और दोस्तों से सलाह-मशविरा किया। सबने इस आइडिया की सराहना की, कुछ ने आगाह भी किया कि इस विचार के साथ जीने के लिए बहुत धैर्य और साहस की जरूरत पड़ेगी। अंततः फरवरी 2020 में दवाखाने और जांच-घर के साथ तीन बिस्तरों वाला 'डॉ नूरी हेल्थकेयर' वजूद में आ गया। मगर मार्च में लॉकडाउन लग गया। नूरी ने स्थानीय प्रशासन, पुलिस से बात की।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एलएंडटी ने बीते साल प्रशिक्षु स्तर पर 22 प्रतिशत महिलाओं की नियुक्ति की

नयी दिल्ली, इंजीनियरिंग एवं निर्माण क्षेत्र की प्रमुख कंपनी लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) ने एक रणनीतिक फैसले के तहत अपने प्रमुख कारोबार क्षेत्रों में बीते साल प्रशिक्षु स्तर पर 22 प्रतिशत महिलाओं की नियुक्ति की है। यह आंकड़ा 2019 से आठ प्रतिशत अधिक है। एलएंडटी द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार स्नातक इंजीनियर प्रशिक्षु (जीईटी) और स्नातकोत्तर इंजीनियर प्रशिक्षु (पीजीईटी) के स्तर पर महिलाओं की नियुक्ति बढ़ी है। एलएंडटी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) तथा प्रबंध निदेशक एस एन सुब्रमण्यन ने पीटीआई-भाषा से कहा, ''अब शॉप फ्लोर, परियोजना स्थल और कार्यालयों में अधिक महिलाएं कार्य कर रही हैं। एलएंडटी ऐसा अनुकूल माहौल उपलब्ध करा रही है जिसमें महिलाओं को नयी चीजें करने का अवसर मिलता है।'' कंपनी के आंकड़ों से पता चलता है कि महिला प्रशिक्षुओं की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हुई है। कंपनी ने बताया कि 2018 में 12 प्रतिशत महिला प्रशिक्षुओं की नियुक्ति की गई थी। 2019 में यह आंकड़ा बढ़कर 14 प्रतिशत और 2020 में 22 प्रतिशत पर पहुंच गया। एलएंडटी ने 2020 में अपने विभिन्न कारोबार क्षेत्रों में 1,100 स्नातक इंजीनियर प्रशिक्षु और स्नातकोत्तर इंजीनियर प्रशिक्षु नियुक्त किए हैं।

सरकार ने पीएलआई योजना के तहत दूसरे दौर के इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के लिए आवेदन मांगे

नयी दिल्ली, सरकार ने उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत व्यापक स्तर पर दूसरे चरण के इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के लिए आवेदन मंगाने शुरू कर दिए हैं। इस चरण के तहत सरकार का ध्यान कुछ इलेक्ट्रॉनिक कलपुर्जों मसलन मदरबोर्ड, सेमीकंडक्टर उपकरणों आदि पर रहेगा। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी (मेइटी) मंत्रालय द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुसार इस योजना के तहत आवेदन 31 मार्च तक किया जाएगा। इस तिथि को आगे भी बढ़ाया जा सकता है। 11 मार्च को जारी एक कार्यालय ज्ञापन के अनुसार, ''दूसरे दौर की पीएलआई योजना के तहत आवेदन स्वीकार करने शुरू कर दिए गए हैं। दूसरे दौर की पीएलआई योजना चार साल की होगी। इसके तहत प्रोत्साहन एक अप्रैल, 2021 से दिया जाएगा।'' पहले दौर की योजना के तहत आवेदन 31 जुलाई तक लिए गए। इस दौर में एपल के लिए अनुबंध पर विनिर्माण करने वाली फॉक्सकॉन, विस्ट्रॉन और पेगाट्रॉन के अलावा सैमसंग तथा स्थानीय कंपनियों लावा, ऑप्टिमस, डिक्सन आदि ने भाग लिया। इन कंपनियों ने 11,000 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश की प्रतिबद्धता जताई है।

वाहनों को ऑनलाइन आवेदन के 30 दिन में जारी होगा अखिल भारतीय पर्यटक परमिट

नयी दिल्ली, पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए ऑपरेटरों को ऑनलाइन आवेदन के 30 दिन के अंदर अखिल भारतीय पर्यटक परमिट जारी किया जाएगा। सरकार ने रविवार को यह जानकारी दी। नए नियम एक अप्रैल, 2021 से प्रभावी होंगे। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने एक नयी योजना की घोषणा की है। इसके तहत कोई भी पर्यटक वाहन परिचालक ऑनलाइन तरीके से अखिल भारतीय पर्यटक परमिट के लिए आवेदन कर सकेगा। मंत्रालय ने बयान में कहा कि आवेदन के साथ संबंधित दस्तावेज और शुल्क जमा कराने के 30 दिन के भीतर परमिट जारी कर दिया जाएगा। नए नियमों के सेट को 'अखिल भारतीय पर्यटक वाहन अनुमति एवं परमिट नियम, 2021' कहा जाएगा। मौजूदा परमिट अपनी वैधता की अवधि तक लागू रहेगा।

मौद्रिक नीति प्रणाली में किसी बड़े बदलाव से बांड बाजार प्रभावित होगा : राजन

नयी दिल्ली,

भारतीय अर्थव्यवस्था धीरे-धीरे महामारी के झटके से बाहर निकल रही है। ऐसे में भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने चेताया है कि देश के मौद्रिक नीति के ढांचे में किसी तरह के बड़े बदलावों से बांड बाजार प्रभावित हो सकता है। राजन ने रविवार को कहा कि मौजूदा व्यवस्था ने मुद्रास्फीति को काबू में रखने और वृद्धि को प्रोत्साहन देने में मदद की है। राजन ने पीटीआई-भाषा से साक्षात्कार में कहा कि सरकार का 2024-25 तक भारतीय अर्थव्यवस्था को 5,000 अरब डॉलर पर पहुंचाने का लक्ष्य आकांक्षी अधिक है। उन्होंने कहा कि यहां तक कि महामारी से पहले भी इस लक्ष्य को लेकर सावधानी से गणना नहीं की गई। पूर्व गवर्नर ने कहा, ''मेरा मानना है कि मौद्रिक नीति प्रणाली ने मुद्रास्फीति को नीचे लाने में मदद की है। इसमें रिजर्व बैंक के लिए अर्थव्यवस्था को समर्थन देने की गुंजाइश भी है। यह सोचना भी मुश्किल है कि यदि यह ढांचा नहीं होता, तो हम कैसे इतना ऊंचा राजकोषीय घाटा झेल पाते।'' उनसे पूछा गया था कि क्या वह मौद्रिक नीति के तहत मुद्रास्फीति के दो से छह प्रतिशत के लक्ष्य की समीक्षा के पक्ष में हैं। रिजर्व बैंक को खुदरा मुद्रास्फीति को चार प्रतिशत (दो प्रतिशत ऊपर या नीचे) पर रखने का लक्ष्य दिया गया है। केंद्रीय बैंक के गवर्नर की अध्यक्षता वाली छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) इस लक्ष्य को ध्यान में रखकर नीतिगत दरें तय करती है। मौजूदा मध्यम अवधि का मुद्रास्फीति लक्ष्य अगस्त, 2016 में अधिसूचित किया गया था। यह इस साल 31 मार्च को समाप्त हो रहा है। अगले पांच साल के लिए मुद्रास्फीति के लक्ष्य को इसी महीने अधिसूचित किए जाने की उम्मीद है। इसी परिप्रेक्ष्य में राजन ने कहा, ''यदि हम इस ढांचे में बड़ा बदलाव करते हैं, तो इससे बांड बाजार के प्रभावित होने का जोखिम पैदा होगा।'' सरकार कोरोना वायरस से प्रभावित अर्थव्यवस्था को उबारने के लिए उल्लेखनीय रूप से ऊंचा कर्ज लेने की योजना बना रही है।

प. बंगाल की स्टार्टअप कंपनी की छोटे इलेक्ट्रॉनिक्स दुकानदारों की मदद की योजना

कोलकाता,

प. बंगाल की स्टार्टअप कंपनी मैजिट्रॉनिक्स ईकॉम अपने ऑनलाइन मार्केटप्लेस के लिए छोटे शहरों के खरीदारों पर ध्यान केंद्रित कर रही है। इसके अलावा कंपनी गली-मोहल्लों के उन इलेक्ट्रॉनिक्स सामान बेचने वाले दुकानदारों की भी मदद कर रही है, जिनकी पहुंच बड़ी ई-कॉमर्स कंपनियों के नेटवर्क तक नहीं होती है। कंपनी के अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। प. बंगाल की इस स्टार्टअप कंपनी को उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्द्धन विभाग (डीपीआईआईटी) की भी मंजूरी मिल गई है। मैजिट्रॉनिक्स जल्द अपने पोर्टल 'ओनोन्या.कॉम' के जरिये लेनदेन शुरू करेगी। मैजिट्रॉनिक्स के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) इंद्रजीत घोष ने कहा, ''हमारे पास गोदाम की सुविधा नहीं है। पास-पड़ोस की इलेक्ट्रॉनिक्स दुकानें विक्रेता का काम करेंगी। यह ऐसा स्टार्टअप है जिसे अभी तक बाहर से कोई वित्तपोषण नहीं मिला है।'' उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी की वजह से इलेक्ट्रॉनिक्स सामान की दुकानों की ऑफलाइन बिक्री प्रभावित हुई है। घोष ने बताया कि सैमसंग इंडिया के पूर्व प्रमुख-खुदरा नाबेन्दु रे स्टार्टअप के साथ निदेशक के रूप में जुड़े हैं।

काला नमक चावल को पूरी दुनिया में पहुंचाने को राज्यों के साथ मिलकर काम करेंगे: कृषि राज्यमंत्री

नई दिल्ली: केंद्रीय कृषि राज्यमंत्री कैलाश चौधरी ने रविवार को कहा कि केंद्र और राज्य सरकारें अपनी खुशबू और जायके के लिए मशहूर 'काला नमक' चावल को पूरी दुनिया में बढ़ावा देने के लिए सकारात्मक कदम उठाएंगी। चौधरी ने सिद्धार्थ नगर में आयोजित 'काला नमक महोत्सव' में हुई गोष्ठी के मौके पर कहा कि काला नमक चावल की महक को पूरी दुनिया में पहुंचाने के लिए केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर कदम उठाएंगी। इसके लिए बहुत जल्द एक वृहद किसान मेला आयोजित किया जाएगा, जिसमें कृषि विशेषज्ञ, वैज्ञानिक और बड़े उद्योगपति शामिल होंगे। मंत्री ने कहा कि काला नमक चावल के उत्पादन के लिए जिलों में ऐसे ब्लॉक चुने जाएंगे जहां किसान खुद चावल की इस किस्म के बीज तैयार कर सकेंगे। इस काम में सरकार और किसान परस्पर सहयोग से काम करते हुए काला नमक चावल की खुशबू को दुनिया के विभिन्न हिस्सों तक पहुंचाएंगे। केंद्रीय कृषि राज्यमंत्री ने दावा किया कि नए कृषि कानूनों से किसानों की जिंदगी में बदलाव आएगा। किसान अब अपनी फसल को कहीं भी बेचने के लिए स्वतंत्र होंगे और उन्हें बिचौलियों से मुक्ति मिलेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष इन कानूनों को लेकर किसानों को बरगला रहा है।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से आठ कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 72,442.88 करोड़ रुपए बढ़ा

नई दिल्ली:

सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से आठ के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह सामूहिक रूप से 72,442.88 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई। सबसे अधिक लाभ में इन्फोसिस रही। सप्ताह के दौरान सिर्फ रिलायंस इंडस्ट्रीज और भारतीय स्टेट बैंक के बाजार पूंजीकरण में गिरावट आई। समीक्षाधीन सप्ताह में इन्फोसिस का बाजार पूंजीकरण 24,962.94 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी के साथ 5,85,564.20 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के बाजार मूल्यांकन में 18,458.26 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई और यह 11,30,763.01 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। एचडीएफसी बैंक की बाजार हैसियत 12,123.8 करोड़ रुपए के उछाल से 8,55,086.25 करोड़ रुपए पर और बजाज फाइनेंस की 6,643.53 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी के साथ 3,34,716.18 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। एचडीएफसी का बाजार पूंजीकरण 4,435.47 करोड़ रुपए बढ़कर 4,62,992.20 करोड़ रुपए पर और कोटक महिंद्रा बैंक का 2,648.24 करोड़ रुपए की वृद्धि के साथ 3,83,741.06 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। आईसीआईसीआई बैंक ने सप्ताह के दौरान 2,230.82 करोड़ रुपए जोड़े और उसका बाजार पूंजीकरण 4,23,733.91 करोड़ रुपए रहा।

हिंदुस्तान यूनिलीवर की बाजार हैसियत 939.82 करोड़ रुपए बढ़कर 5,18,265.12 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। इस रुख के उलट रिलायंस इंडस्ट्रीज के बाजार पूंजीकरण में 25,294.37 करोड़ रुपए की गिरावट आई और यह 13,55,784.49 करोड़ रुपए पर आ गया। एसबीआई का बाजार मूल्यांकन 2,320.4 करोड़ रुपए घटकर 3,40,206.19 करोड़ रुपए रह गया।

शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एचडीएफसी, आईसीआईसीआई बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, एसबीआई और बजाज फाइनेंस का स्थान रहा। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 386.76 अंक या 0.78 प्रतिशत चढ़ा।

ई-कॉमर्स में एफडीआई नीति पर चर्चा के कदम का कैट ने किया स्वागत

नई दिल्ली।

ई-कामर्स के क्षेत्र में एफडीआई नीति पर 17 मार्च से शुरू होने वाली डीपीआईआईटी की परामर्श बैठकों और एफडीआई नीति को पारदर्शी और ज़िम्मेदार बनाने के लिए केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के सकारात्मक दृष्टिकोण की कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने सराहना की है और आशा व्यक्त की है कि जल्द ही ई-कॉमर्स के नियमों को सख़्त किया जाएगा। कैट लगातार ई-कॉमर्स की अमेजन और फ्लिपकार्ट द्वारा एफडीआई नीति और फेमा के उल्लंघन के खिलाफ लड़ रहा है। कैट ने दोहराया कि जिस तरह से अमेजन और फ्लिपकार्ट द्वारा एफडीआई नीति और फेमा के खुलेआम उल्लंघनों का सिलसिला जारी है, उससे यह आभास मिलता है कि ऐसा करने के लिए इन कंपनियों को सरकार से प्रतिरक्षा (इम्यूनिटी) प्राप्त है। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने कहा, भारत के ई-कॉमर्स व्यवसाय में कार्यरत ये बहुराष्ट्रीय कंपनियां हमारे देश को बनाना रिपब्लिक मान रही हैं और खुद ईस्ट इंडिया कंपनी के संस्करण की तरह बर्ताव कर रही हैं जो अब असहनीय हो रहा है। कैट को यह भी लगता है कि इन बहुराष्ट्रीय कंपनियों को भी कानूनन भी प्रतिरक्षा प्रदान की गई है, जो हमेशा अनजाने में हुई त्रुटि के लिए व्यापारियों पर नकेल कसने के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं। यह भी पूरी तरह स्पष्ट है कि कुछ ई-कॉमर्स कंपनियों ने मानदंडों को दरकिनार करते हुए 2018 में सरकार द्वारा जारी किए गए प्रेस नोट नंबर 2 के प्रावधानों से बचने के मार्ग विकसित कर लिए हैं। हालांकि, यही कारण है कि अब प्रेस नोट नं 2 को नए प्रेस नोट द्वारा बदलने की तत्काल आवश्यकता है। ई-कामर्स के क्षेत्र में एफडीआई नीति के सभी खामियों को दूर करना बेहद जरूरी है। कैट ने विनिर्माण, खाद्य क्षेत्र में एफडीआई से संबंधित प्रावधानों पर भी चिंता व्यक्त की है।

साथ ही कहा है कि इन विदेशी कंपनियों को खाद्य उत्पादों के क्षेत्र में इन्वेंट्री-आधारित व्यवसाय करने के लिए एक बैक-डोर दी जा रही है जो अन्यथा मल्टी ब्रॉड रिटेल ट्रेड का समग्र रूप से एक प्रमुख भाग है और इस क्षेत्र में आता है। कैट ने ई-कॉमर्स के लिए एक रेगुलेटरी बॉडी के गठन की भी मांग की है जिससे भारतीय नीतियों और कानून का उल्लंघन नहीं किया जा सके।

नयी परियोजनाओं की घोषणा से पहले लंबित को पूरे राजमार्ग मंत्रालय : संसदीय समिति

नयी दिल्ली, राजमार्ग परियोजनाओं में देरी से नाराज संसद की एक समिति ने सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय से कहा है कि वह नयी परियोजनाओं की घोषणा करने के बजाय लंबित परियोजनाओं को पूरा करने को प्राथमिकता दे। करीब 3.15 लाख करोड़ रुपये की राजमार्ग परियोजनाएं लंबित हैं। इन देरी वाली 888 परियोजनाओं के तहत 27,665 किलोमीटर राजमार्गों का निर्माण होना है। परिवहन, पर्यटन और संस्कृति पर विभाग आधारित संसद की स्थायी समिति ने अपनी ताजा रिपोर्ट में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) से कहा है कि वह अपनी लंबित सड़क परियोजनाओं के लिए प्राथमिकता तय करे। टीजी वेंकटेश की अध्यक्षता वाली 31 सदस्यीय समिति ने इस बात पर क्षोभ जताया कि मंत्रालय के तहत 3,15,373.3 करोड़ रुपए की 888 परियोजनाएं अभी लंबित हैं। इन परियोजनाओं के तहत 27,665.3 किलोमीटर सड़कों का निर्माण किया जाना है। समिति ने कहा कि मौजूदा सड़क परियोजनाओं को पूरा करने में विलंब से समय का काफी नुकसान होता है। इससे ईंधन की खपत भी बढ़ जाती है। साथ ही परियोजना की लागत में भी इजाफा होता है। समिति ने मंत्रालय से कहा है कि वह नई परियोजनाओं की घोषणा करने के बजाय मौजूदा लंबित परियोजनाओं को पूरा करने को प्राथमिकता दे।

नई परियोजनाओं की घोषणा करने के बजाय लंबित परियोजनाओं को पूरा करने को प्राथमिकता दे

नई दिल्ली:

राजमार्ग परियोजनाओं में देरी से नाराज संसद की एक समिति ने सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय से कहा है कि वह नई परियोजनाओं की घोषणा करने के बजाय लंबित परियोजनाओं को पूरा करने को प्राथमिकता दे। करीब 3.15 लाख करोड़ रुपए की राजमार्ग परियोजनाएं लंबित हैं। इन देरी वाली 888 परियोजनाओं के तहत 27,665 किलोमीटर राजमार्गों का निर्माण होना है। परिवहन, पर्यटन और संस्कृति पर विभाग आधारित संसद की स्थायी समिति ने अपनी ताजा रिपोर्ट में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) से कहा है कि वह अपनी लंबित सड़क परियोजनाओं के लिए प्राथमिकता तय करे। टीजी वेंकटेश की अध्यक्षता वाली 31 सदस्यीय समिति ने इस बात पर क्षोभ जताया कि मंत्रालय के तहत 3,15,373.3 करोड़ रुपए की 888 परियोजनाएं अभी लंबित हैं। इन परियोजनाओं के तहत 27,665.3 किलोमीटर सड़कों का निर्माण किया जाना है। समिति ने कहा कि मौजूदा सड़क परियोजनाओं को पूरा करने में विलंब से समय का काफी नुकसान होता है। इससे ईंधन की खपत भी बढ़ जाती है। साथ ही

परियोजना की लागत में भी इजाफा होता है। समिति ने मंत्रालय से कहा है कि वह नई परियोजनाओं की घोषणा करने के बजाय मौजूदा लंबित परियोजनाओं को पूरा करने को प्राथमिकता दे।

कंप्यूटर गेमिंग क्षेत्र में जनवरी तक के छह महीनों में 54.4 करोड़ डॉलर का निवेश आया: रपट

नयी दिल्ली,

भारत में उपयोगकर्ताओं की जागरूकता और रुझान बढने से कंप्यूटर गेमिंग उद्योग तेजी से बढ़ रहा है। इस क्षेत्र में पिछले साल अगस्त से इस साल जानवरी के बीच 54.4 करोड़ डॉलर का निवेश आया। मापल कैपिटल एडवाइजर्स की एक रपट में अनुमान लगाया गया है कि साल-डेढ़ साल में देश में गेमिंग बाजार दो गुना हो जाएगा। रपट के अनुसार, देश में 40 करोड़ लोग हैं, जो डिजिटल गेम में दिलचस्पी रखते हैं। इसे देखते हुए निवेशक इस कारोबार में पैसा लगाने के अवसर देख रहे हैं। कुल वैश्विक डिजिटल खेल गतिविधि का 15 प्रतिशत से अधिक हिस्सा भारत से जुड़ा है। मापल कैपिटल एडवाइजर्स के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक पंकज कर्ण ने कहा, ''हमारा मानना है कि निवेश बढ़ने और उपभोक्ताओं के आकर्षण के चलते भारत में गेमिंग क्षेत्र में अब नया उछाल आने वाला है। पूंजी की वृद्धि पर ध्यान देने वाले निजी शेयर पूंजी निवेशक बाजार में आने लगे हैं। गेमिंग कारोबार के क्षेत्र से पहला मजबूत सार्वजनिक शेयर निर्गम जल्दी ही आ सकता है। अब हर चरण में गेमिंग बाजार की कंपनियां अपेक्षाकृत अधिक पूंजी आकर्षित करने की स्थिति में आ रही हैं।'' उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र अगले 12 से 18 महीनों में दो गुना हो सकता है। उन्होंने कहा, ''हमें उम्मीद है कि देश में खास कर उन गेम (डिजिटल खेल) के बारे में विनियामकीय स्पष्टताएं और नियमन में मजबूती लायी जाएगी, जहां वास्तविक रूप से धन दाव पर लगता है।'' इस क्षेत्र में पिछले छह सात महीनों में आए प्रमुख निवेश के मामलों में ड्रीम11 में 22.5 करोड़ डॉलर (सितंबर 2020), मोबाइल प्रीमियर लीग में नौ करोड़ डॉलर (नवंबर 2020) और नजारा टेक्नोलॉजीज में 6.8 करोड (जनवरी 2021) का मामला शामिल है। वैसे कोविड19 का खतरा दूर होने के बाद लोगों के कार्यालय व कार्यस्थल पर जाने से गेमिंग ट्रैफिक (उपयोग) प्रभावित हो सकती है, पर कुल मिला कर बाजार उभार पर है।

दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरू, हैदराबाद हवाईअड्डों में अपनी शेष हिस्सेदारी बेचेगी सरकार

नयी दिल्ली, सरकार दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरू और हैदराबाद हवाई अड्डों में अपनी बची हिस्सेदारी बेचने की योजना तैयार की है। सूत्रों ने इसकी जानकारी दी। सरकार ने संपत्तियों की बिक्री कर 2.5 लाख करोड़ रुपये जुटाने की योजना तैयार की है। इसी के तहत इन हवाईअड्डों में सरकार अपनी शेष हिस्सेदारी भी बेचना चाह रही है। ये हवाईअड्डे पहने से निजीकृत हैं। हालांकि इनमें विमान पत्तन प्राधिकरण के माध्यम से सरकार की कुछ हिस्सेदारी अभी बची है। पिछले महीने सचिवों की अधिकारी प्राप्त समिति की हुई चर्चा से अवगत दो लोगों ने बताया कि इन चारों हवाईअड्डों में भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) की शेष हिस्सेदारी बेचने के साथ ही 13 अन्य हवाईअड्डों के निजीकरण की भी तैयारी है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरू और हैदराबाद हवाई अड्डों का संचालन कर रहे संयुक्त उपक्रमों में एएआई की इक्विटी हिस्सेदारी के विभाजन के लिये अपेक्षित मंजूरी प्राप्त करेगा। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को अगले कुछ दिनों में मंजूरी के लिये मंत्रिमंडल के पास भेजे जाने की संभावना है। । सूत्रों ने कहा कि निजीकरण के लिये पहचाने गए 13 एएआई हवाई अड्डों के प्रस्ताव को अधिक आकर्षक बनाने के लिये मुनाफे वाले और गैर मुनाफे वाले हवाईअड्डों को मिलाकर पैकेज तैयार किया जायेगा। नरेंद्र मोदी सरकार के द्वारा हवाई अड्डों के निजीकरण के पहले दौर में अडाणी समूह ने पिछले साल छह हवाई अड्डों 'लखनऊ, अहमदाबाद, जयपुर, मंगलुरु, तिरुवनंतपुरम और गुवाहाटी' के परिचालनके लाइसेंस हासिल किया। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के तहत काम करने वाला एएआई देश भर में 100 से अधिक हवाई अड्डों का मालिक है और उनका प्रबंधन करता है। मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे में अडाणी समूह की 74 प्रतिशत हिस्सेदारी है, शेष 26 प्रतिशत हिस्सेदारी एएआई के पास है। दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे में जीएमआर समूह के पास 54 प्रतिशत, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के पास 26 प्रतिशत, जबकि फ्रापोर्ट एजी तथा एरमान मलेशिया के पास 10 प्रतिशत हिस्सेदारी है। एएआई के पास आंध्र प्रदेश सरकार के साथ हैदराबाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड में 26 प्रतिशत और कर्नाटक सरकार के साथ बैंगलोर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे में भी 26 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

बैंकों का लोन कारोबार 6.63प्रतिशत बढ़ा

मुंबई:

बैंकों का ऋण 26 फरवरी, 2021 को समाप्त पखवाड़े में सालाना आधार पर 6.63 प्रतिशत बढ़कर 107.75 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया। इस दौरान बैंकों के पास जमा राशि 12.06 प्रतिशत बढ़कर 149.34 लाख करोड़ रुपए रही। रिजर्व बैंक के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। पिछले साल 28 फरवरी, 2020 को समाप्त पखवाड़े के दौरान बैंकों का ग्राहकों को दिया गया ऋण 101.05 लाख करोड़ रुपए और उनके पास जमा 133.26 लाख करोड़ रुपए रही थी। आंकड़ों के अनुसार 12 फरवरी, 2021 को समाप्त पखवाड़े में बैंकों का ऋण 6.58 प्रतिशत बढ़कर 107.04 लाख करोड़ रुपए और जमा 11.75 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 147.81 लाख करोड़ रुपए पर थी। केयर रेटिंग्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि समीक्षाधीन पखवाड़े में बैंकों के ऋण की वृद्धि दर स्थिर रही है। विश्लेषकों का कहना है कि खुदरा ऋण बढ़ने से

बैंकों के कुल ऋण कारोबार में बढ़ोतरी हुई है।

एमके ग्लोबल फाइनेंशियल सर्विसेज की पांच मार्च को जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि बैंकों के खुदरा ऋण में अभी और वृद्धि होगी। अभी यह वृद्धि नौ प्रतिशत है। चालू वित्त वर्ष के पहले नौ माह में बैंकों के ऋण की वृद्धि 3.2 प्रतिशत रही है। इस दौरान बैंकों की जमा में 8.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Sports

मेदवेदेव 'ओपन 13' के फाइनल में युगल विशेषज्ञ होर्बर्ट से भिड़ेंगे

मार्सेली । शीर्ष वरीय दानिल मेदवेदेव अपने करियर के 10वें खिताब के 'ओपन 13' के फाइनल में गैरवरीय पियरे-ह्यूजेज होर्बर्ट का सामना करेंगे। ग्रैंडस्लैम खिताब के दो बार के विजेता मेदवेदेव सेमीफाइनल में क्वालीफायर खिलाड़ी मैथ्यू एब्देन के चोटिल होने के कारण आसानी से फाइनल में पहुंच गए। एब्देन ने जब मैच से हटने का फैसला किया उस समय मेदवेदेव 6-4, 3-0 से आगे चल रहे थे। मेदवेदेव अगले सप्ताह रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच जाएंगे। खिताब जीतने के लिए उन्हें विश्व रैंकिंग में 93वें स्थान पर काबित होर्बर्ट की चुनौती का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने युगल में चार ग्रैंडस्लैम जीते है लेकिन एकल में कोई बड़ा टूर्नामेंट अपने नाम नहीं किया है। होर्बर्ट ने सेमीफाइनल में चौथी वरीयता प्राप्त उगो हुम्बेर्ट को 6-3, 6-2 से हराया। उन्होंने इससे पहले शुक्रवार को दूसरी वरीयता प्राप्त स्टेफानोस सिटसिपास को भी शिकस्त दी थी।

मुंबई सिटी एफसी ने पहली बार जीता आईएसएल का खिताब

मडगांव :

मुंबई सिटी एफसी इस सत्र में हैट्रिक लगाने वाले बिपिन सिंह द्वारा 90वें मिनट में मिनट में किए गए गोल की मदद से शनिवार को यहां हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के सातवें सत्र के फाइनल में गत चैम्पियन एटीके मोहन बागान को 2-1 से हराकर पहली बार आईएसएल चैम्पियन बना। इस तरह कोच सर्गियो लोबेरा की टीम ने दो हफ्ते में दो ट्राफियां हासिल की और वह गु्प चरण के साथ साथ खिताब जीतने वाली दूसरी टीम बन गई। उन्होंने इससे पहले लीग शील्ड भी जीती थी। एटीके मोहन बागान (एटीके एमबी) ने डेविड विलियम्स के 18वें मिनट में किये गोल से बढ़त बना ली थी लेकिन अपने ही खिलाड़ी टिरी के 29वें मिनट में किये गये आत्मघाती गोल से मुम्बई सिटी एफसी को बराबरी पर ला दिया। अंत में बिपिन ने 90वें मिनट में टीम को पहली बार आईएसएल चैम्पियन बनाने वाला गोल किया। दोनों टीमों के बीच पहला हाफ 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुआ। डेविड ने लगातार तीसरे मैच में गोल करते हुए एटीकेएमबी को आगे किया। यह गोल 18वें मिनट में हुआ। एटीकेएमबी के लिए सबकुछ अच्छा चल रहा था लेकिन 29वें मिनट में टिरी से हुए आत्मघाती गोल ने मुम्बई को खुश होने का कारण दे दिया। मुम्बई की टीम का 68 फीसदी 'बाल पजेशन' के साथ इस हाफ में वर्चस्व रहा लेकिन इसके बावजूद वह गोल नहीं कर पाई थी। दोनों टीमों ने दो-दो शाट्स टारगेट पर लगाए लेकिन तमाम हमलों के बावजूद दोनों टीमें एक भी कार्नर नहीं हासिल कर सकीं। प्रीतम कोटल द्वारा 11वें मिनट में बिपिन सिंह को पेनल्टी क्षेत्र में गिराए जाने पर मुम्बई ने पेनल्टी की मांग की लेकिन रेफरी ने उसे नकार दिया। 12वें मिनट में एटीकेएमबी के लिए जेवियर हर्नांदेज ने फीकिक लिया लेकिन यह शॉट क्रासबार से टकराकर दिशाहीन हो गया। विलियम्स ने हालांकि 18वें मिनट में गोल करते हुए एटीकेएमबी को आगे कर दिया। विलियम्स ने बाक्स के बाहर से बाल अपने कब्जे में ली और फिर पोस्ट के दायीं ओर डालकर अपनी टीम को 1-0 से आगे कर दिया। इसके 11 मिनट बाद टिरी ने आत्मघाती गोल कर मुम्बई को बराबरी पर ला दिया। टिरी ने हेडर के जरिए गेंद को दिशाहीन करने का प्रयास किया था लेकिन दुर्भाग्य से गेंद पोस्ट में चली गई। अरिंधम ने 31वें मिनट में एक बेहतरीन बचाव करते हुए मुम्बई को बढ़त लेने से रोका। 36वें मिनट में एडम लेफोंड्रे और बिपिन के पास मुम्बई को एक बार फिर बढ़त दिलाने का मौका था लेकिन बिपिन के शाट में वह दम नहीं था। हाफ टाइम से ठीक पहले मुम्बई के अमय राणावड़े चोटिल हो गए और उन्हें बाहर ले जाया गया। मुम्बई ने दूसरे हाफ में अमय की जगह मोहम्मद रकीप को मैदान पर उतारा। 58वें मिनट में मुम्बई के हुगो बोउमस अपनी टीम को बढ़त दिलाने का स्वर्णिम मौका गंवा बैठे और बॉक्स के बाहर से लगाया गया उनका शॉट क्रासबार के ऊपर से निकल गया। 72वें मिनट में हर्नांडेज ने बॉक्स के बाहर एक तेज तर्रार शॉट लगाया, लेकिन चौकन्ने और मुस्तैद खड़े अमरिंदर सिंह ने एटीके मोहन बागान को बढ़त लेने से रोक दिया। इसके बाद भी दोनों टीमों ने अपना आक्रमण जारी रखा। इसी बीच, 90वें मिनट में एटीके मोहन बागान के गोलकीपर अरिंधम शॉट रोकने के प्रयास में काफी आ गए और गोलपोस्ट खाली हो गया।

भवानी देवी ओलंपिक का टिकट हासिल करने वाली पहली भारतीय तलवारबाज बनीं

स्पोर्ट्स डेस्क ।

तमिलनाडु की सीए भवानी देवी इस साल होने वाले तोक्यो ओलंपिक का टिकट हासिल कर इन खेलों के लिए क्वालीफाई करने वाली पहली भारतीय तलवारबाज बन गयी है। भवानी ने समायोजित आधिकारिक रैंकिंग (एओआर) के आधार पर ओलंपिक क्वालीफिकेशन हासिल किया। विश्व रैंकिंग के आधार पर पांच अप्रैल 2021 तक एशिया-ओशिनिया क्षेत्र के लिए दो जगह थीं। भवानी फिलहाल 45वें स्थान पर है और रैंकिंग के आधार पर वह एक स्थान हासिल करने में सफल रहेंगी।इस 27 साल की खिलाडी के आधिकारिक क्वालीफिकेशन पर मुहर पांच अप्रैल को रैंकिंग जारी होने पर लगेगी। खेल मंत्री किरेन रीजीजू ने ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने पर भवानी देवी को शुभकामनाएं दी।रीजीजू ने ट्वीट किया कि भारतीय तलवारबाज भवानी देवी को बधाई जिन्होंने तोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया है। वह इस उपलब्धि को हासिल करने वाली पहली भारतीय तलवारबाज बन गई हैं। भवानी देवी को मेरी शुभकामनाएं।आठ बार की यह राष्ट्रीय चैम्पियन रियो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने में नाकाम रही थी। उन्होंने इसके बाद ओलंपिक के सपने को पूरा करने के लिए इटली में कोच निकोला जानोट्टी से प्रशिक्षण लेना जारी रखा।

चैम्पियन चैस टूर - कार्लसन को हराकर अनीश गिरि नें बनाई बढ़त

टोन्सबेर्ग , नॉर्वे (निकलेश जैन) मेल्टवाटर चैम्पियन चैस टूर के पांचवे पड़ाव मेगनस इन्विटेशनल के पहले ही दिन कई बेहतरीन मुक़ाबले देखने को मिले । कुल 16 खिलाड़ियों के बीच राउंड रॉबिन आधार पर 15 राउंड मे से 5 राउंड पहले दिन खेले गए और नीदरलैंड के अनीश गिरि नें शानदार प्रदर्शन करते हुए 3 जीत और 2 ड्रॉ से 4 अंक बनाकर एकल बढ़त हासिल कर ली है । पहले दिन उन्होने दिन की शुरुआत अजरबैजान के तैमूर रद्जाबोव और फीडे के अलीरेजा फिरौजा के साथ ड्रॉ खेलकर की और उसके बाद पहले अर्जेन्टीना के एलन पीचोट , फिर विश्व चैम्पियन मेगनस कार्लसन और फिर अमेरिका के वेसली सो को पराजित करते हुए उन्होने लगातार तीन जीत के दम पर बढ़त कायम कर ली । पाँच राउंड के बाद अन्य खिलाड़ियों मे विश्व चैम्पियन मेगनस कार्लसन और अमेरिका के लेवोन अरोनियन 3.5 अंक बनाकर दूसरे स्थान पर चल रहे है । अजरबैजान के ममेद्यारोव और रद्जाबोव ,फ्रांस के मकसीम लागरेव ,रूस के डेनियल डुबोव और अमेरिका के हिकारु नाकामुरा 3 अंक , अमेरिका के वेसली सो और फीडे के अलीरेजा फिरौजा 2.5 अंक ,नीदरलैंड के वान फॉरेस्ट 2 अंक ,स्पेन के डेविड अंटोन ,रूस के इयान नेपोंनियची और सेरगी कार्याकिन ,स्वीडन के निल्स ग्रंडेलीयूस 1.5 अंक और अर्जेन्टीना के एलन पीचोट 1 अंक बनाकर खेल रहे है ।

विजय हजारे ट्रॉफी : मुंबई ने उत्तर प्रदेश को 6 विकेट से हराकर चौथी बार जीता खिताब

नई दिल्ली ।

विकेटकीपर आदित्य तारे (नाबाद 118) के पहले लिस्ट ए शतक और कप्तान पृथ्वी शॉ की 73 रन की विस्फोटक पारी के दम पर मुंबई ने उत्तर प्रदेश को रविवार को यहां अरुण जेटली स्टेडियम में छह विकेट से हराकर चौथी बार विजय हजारे ट्रॉफी एकदिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया। उत्तर प्रदेश ने सलामी बल्लेबाज माधव कौशिक की 158 रन की जबरदस्त शतकीय पारी से 50 ओवर में चार विकेट पर 312 रन का मजबूत स्कोर बनाया लेकिन मुंबई ने 41.3 ओवर में ही ही चार विकेट पर 315 रन बनाकर बड़े लक्ष्य को भी बौना साबित कर दिया। मुंबई ने इससे पहले 2003-04, 2006-07 और 2018-19 में यह खिताब जीता था। तारे को उनकी शानदार शतकीय पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया। जबरदस्त फॉर्म में चल रहे और इस सत्र में चार शतक ठोक चुके पृथ्वी ने ताबड़तोड़ अंदाज में खेलते हुए मात्र 39 गेंदों पर 73 रन में 10 चौके और चार छक्के उड़ाए। पृथ्वी की इस पारी ने मुंबई को जीत का ठोस आधार दे दिया। पृथ्वी ने यशस्वी जायसवाल के साथ पहले विकेट के लिए 9.1 ओवर में 89 रन की साझेदारी की। जायसवाल ने 30 गेंदों पर तीन चौकों और एक छक्के की मदद से 29 रन बनाये। पृथ्वी का विकेट 89 और जायसवाल का विकेट 127 के स्कोर पर गिरा। तारे ने फिर शम्स मुलानी के साथ तीसरे विकेट के लिए 88 रन की साझेदारी कर मुंबई को जीत के रास्ते पर डाल दिया। मुलानी ने 43 गेंदों पर 36 रन में दो छक्के लगाए। तारे ने फिर शिवम दुबे के साथ चौथे विकेट के लिए 88 रन जोड़े। दुबे ने 28 गेंदों पर 42 रन में छह चौके और एक छक्का लगाया। तारे ने सरफराज खान के साथ

मुंबई को आसान जीत की मंजिल पर पहुंचा दिया। उत्तर प्रदेश के गेंदबाजों ने अपनी टीम को खासा निराश किया और बड़ा स्कोर होने के बावजूद वे उसका बचाव नहीं कर पाए। यश दयाल, शिवम मावी, शिवम शर्मा और समीर चौधरी को एक-एक विकेट मिला।

संक्षिप्त समाचार

बासिलाशविली ने बतिस्ता आगुत को हराकर कतर ओपन जीता

दोहा । निकोलोज बासिलाशविली ने कतर ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में रॉबर्टो बतिस्ता आगुत को हराकर चौथा एटीपी खिताब जीता। जॉर्जिया के बासिलाशविली ने खिताबी मुकाबले में बतिस्ता आगुत को 90 मिनट में सीधे सेटों में 7-6, 6-2 से हराया। बासिलाशविली ने इस टूर्नामेंट से पहले पिछले 16 मैचों में सिर्फ दो मुकाबले जीते थे लेकिन यहां वह क्वार्टर फाइनल में मैच प्वाइंट बचाने के बाद दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी रोजर फेडरर को हराने में सफल रहे।

चीनी महिला खिलाड़ी ने एक ही विश्व चैंपियनशिप में दो स्वर्ण पदक जीते

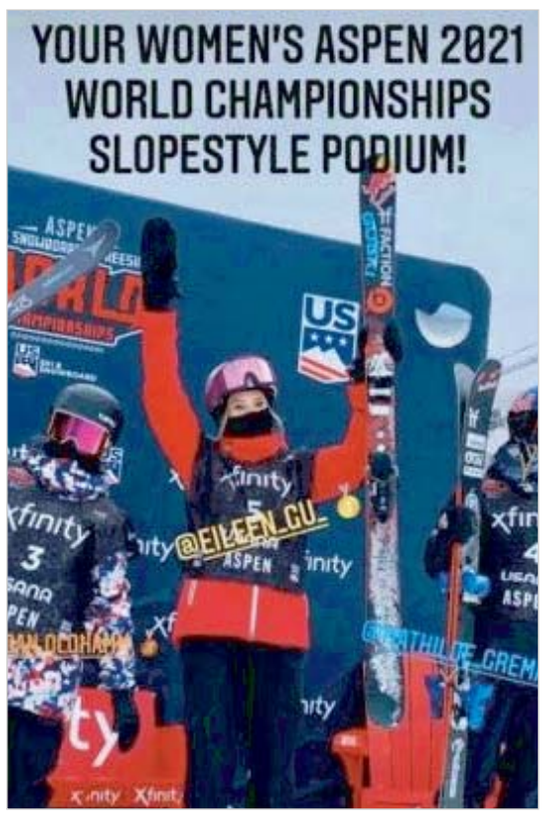

बीजिंग। चीनी महिला खिलाड़ी कू एलिंग 13 मार्च को अमेरिका के ऐस्पन में आयोजित एफआईएस फ्रीस्की विश्व चैंपियनशिप के स्लोप स्टाइल फाइनल में चैंपियन बनीं। ऐसे में वह पहली महिला खिलाड़ी हैं जो एक ही विश्व चैंपियनशिप में दो स्वर्ण पदक जीती। फाइनल में कू एलिंग 84.23 अंक के साथ पहले स्थान पर रहीं। स्विट्जरलैंड की महिला खिलाड़ी मैथिल्डे ग्रेमूड और कनाडा की महिला खिलाड़ी मेगन ओल्डहम क्रमशः 77.15 और 76.18 अंक के साथ दूसरे और तीसरे स्थान पर रहीं।

मजबूत वापसी पर पृथ्वी शॉ का बड़ा बयान, कहा- मेरे लिए केवल एक विकल्प बचा था

नई दिल्ली ।

मुंबई के कप्तान पृथ्वी शॉ का कहना है कि भारतीय टीम से बाहर किए जाने के बाद उनके पास अपनी गलतियों को सुधारकर मजबूत वापसी के अलावा कोई और विकल्प नहीं बचा था। भारत की अंडर-19 टीम के पूर्व कप्तान पृथ्वी एडीलेड टेस्ट में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद अगले तीन टेस्ट के लिए बेंच पर बैठे रहे जिसके बाद इंग्लैंड श्रृंखला के लिए उन्हें राष्ट्रीय टीम से बाहर कर दिया गया। मुंबई ने रविवार को विजय हजारे फाइनल में उत्तर प्रदेश को हराकर ट्राफी जीती और पृथ्वी ने टूर्नामेंट में 827 रन बनाकर राष्ट्रीय रिकार्ड बनाया। मैच के बाद जब उनसे आस्ट्रेलिया दौरे के बाद मजबूत वापसी के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'यह थोड़ा मुश्किल था, लेकिन मेरे लिए केवल एक विकल्प बचा था कि वापस लौटकर कड़ी मेहनत करूं, आस्ट्रेलिया में जो छोटी छोटी गलतियां हुईं, उन्हें ठीक करके मजबूत वापसी करूं। विजय हजारे ट्राफी के दौरान हालांकि उनकी बल्लेबाजी में कोई परेशानी नहीं दिखी और उन्होंने पुडुचेरी के खिलाफ रिकार्ड दोहरे शतक समेत चार सैकड़े जड़ डाले। यह पूछने पर कि क्या कप्तानी से उनकी बल्लेबाजी को मदद मिली? तो उन्होंने कहा, 'मैं बहुत ही छोटी उम्र से कप्तानी की जिम्मेदारी उठा रहा हूं, मैंने अंडर-14, अंडर-16 और अंडर-19 में कप्तानी की है। मैंने भारत ए की भी कप्तानी संभाली है। मुझे टीम की कप्तानी करने में मजा आता है और मैं प्रत्येक गेंद पर ध्यान लगाता हूं, इसलिए मुझे कप्तानी करना पसंद है और इससे मेरी बल्लेबाजी पर भी असर पड़ा जिससे मैं बल्लेबाजी में और ज्यादा केंद्रित हो गया। पृथ्वी ने अनुभवी आदित्य तारे की प्रशंसा की जिन्होंने नाबाद 118 रन की पारी खेली और मुंबई को 313 रन के लक्ष्य को आसानी से हासिल कराकर विजय हजारे ट्राफी दिलाने में मदद की। उन्होंने कहा, 'उसने आज काफी अच्छी बल्लेबाजी की। मैच की परिस्थितियों को देखते हुए इसकी काफी जरूरत थी। वर्ना मैच किसी भी ओर जा सकता था। उसने शानदार बल्लेबाजी की और शतक जड़ा इसलिये हर कोई खुश था क्योंकि मैच को खत्म करना आसान नहीं है और वह शानदार खेला।

हार के बाद कप्तान मिताली राज ने कहा- हमें अभ्यास के लिए सही समय नहीं मिला

लखनऊ। भारतीय महिला एकदिवसीय टीम की कप्तान मिताली राज ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ रविवार को चौथे मैच को सात विकेट से गंवाने के बाद कहा कि उनकी गेंदबाजों को पांच मैचों की इस श्रृंखला से पहले अभ्यास का सही समय नहीं मिला। भारत के 267 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका की महिला टीम ने आठ गेंद शेष रहते तीन विकेट पर 269 रन बनाकर आसान जीत दर्ज करने के साथ 3-1 की अजेय बढ़त हासिल कर ली। मिताली ने कहा कि अगर हमने 266 रन से अधिक भी बनाया होता तो दक्षिण अफ्रीका ने जैसे बल्लेबाजी की उसके लिए यह काफी नहीं होता। हमारी गेंदबाजी विभाग को श्रृंखला से पहले तैयारियों पर काम करना होगा। हम इस मामले में पिछड़ गए। हम क्षेत्ररक्षण के मामले में बुरे नहीं है लेकिन कुछ चीजों में सुधार किया जा सकता है।अनुभवी तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी चोट के कारण यह मैच नहीं खेल पाई और उनकी गैरमौजूदगी में भारतीय टीम को संघर्ष करना पड़ा। मिताली ने कहा कि हमें झूलन के अनुभव की कमी खली लेकिन ये दूसरे गेंदबाजों के लिए जिम्मेदारी उठाने का एक मौका था। हमारी स्पिनर अनुभवी है। मुझे उनसे बेहतर वापसी की उम्मीद है। वहीं दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोलवार्ट (53) ने लिजेल ली (69) के साथ पहले विकेट के लिए 116 रन की साझेदारी कर जीत की नींव रखी। उन्होंने कहा कि यह जीत सभी खिलाड़ियों के योगदान का नतीजा है। मैंने हाल ही में टीम का नेतृत्व करना शुरू किया है और मैं सलाह तथा मदद के लिए अनुभवी खिलाड़ियों के पास जाती हूं। हमारी योजना शुरु से ही आक्रामक क्रिकेट खेलने की थी। हमारी गेंदबाजी शीर्ष स्तरीय है। हमारे लिए शीर्ष चार में से किसी एक बल्लेबाज को लंबी पारी खेलने जरूरत थी। हम पहले ऐसा करने में नाकाम रहते थे। मैन ऑफ द मैच मिगनोन डु प्रीज (55 गेंद में 61 रन) ने कहा कि वह इस खिताब को लारा गुडॉल (नाबाद 59) के साथ साझा करना चाहेंगी। डु प्रीज और गुडॉल ने तीसरे विकेट के लिए 103 रन की साझेदारी की। उन्होंने कहा कि मैं इस पुरस्कार को लारा के साथ साझा करूंगी।

बुंदेसलीगा - सीजन की 18वीं जीत के साथ बायर्न म्यूनिख टॉप पर कायम

बुंदेसलीगा = सीजन की 18वीं जीत के साथ बायर्न म्यूनिख टॉप पर कायमबर्लिन, 14 मार्च (आईएएनएस)। जर्मन क्लब बायर्न म्यूनिख ने वेर्डर ब्रेमन को 3-1 हराकर बुंदेसलीगा लीग में अपनी 18वीं जीत दर्ज कर ली है और साथ ही उसने तालिका में पांच अंकों की बढ़त बनाकर टॉप स्थान पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार को खेले गए इस मुकाबले में बायर्न म्यूनिख के लिए लियोन गोरेजका ने 22वें मिनट में, सर्ज गेनेबरी ने 35वें और रोबर्ट लेवांडोवस्की ने 67वें मिनट में गोल किए। लेवांडोवस्की का सीजन का 32वां गोल है और इसके साथ ही उन्होंने बुंदेसलीगा में आल टाइम स्कोरिंग लिस्ट में शाल्के के क्लॉस फिशर के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। ब्रेमन के लिए निकोलस फुलक्रुग ने 85वें मिनट में एकमात्र गोल किया। इस जीत के बाद बाद बायर्न म्यूनिख टेबल में टॉप पर है। वहीं, ब्रेमन 12वें नंबर पर है।

प्रतिबंधित होने से बची मोटेरा की पिच, ICC ने जारी की रेटिंग

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अहमदाबाद में भारत और इंग्लैंड के बीच खेले गए दिन/रात्रि मैच की पिच को औसत रेटिंग दी है जिससे यह पिच प्रतिबंधित होने से बच गई क्योंकि इस विवादास्पद सतह पर खेल दो दिन में ही समाप्त हो गया था। आईसीसी ने अपने 'नियम और दिशानिर्देश' पेज पर सभी हालिया मैचों की रेटिंग अपडेट की है और तीसरे टेस्ट के लिए मोटेरा की पिच को 'औसत' जबकि अंतिम टेस्ट के लिए इसे 'अच्छी' रेटिंग दी है। पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के लिए इसे 'बहुत अच्छी' रेटिंग दी गयी थी। दिलचस्प बात है कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच एससीजी पर खेले गए तीसरे टेस्ट की पिच को भी 'औसत' रेटिंग मिली है। भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ गुलाबी गेंद का मैच 10 विकेट से जीता था जिसमें दोनों टीमें टर्निंग पिच पर 150 रन से ज्यादा का स्कोर बनाने में असफल रही थीं। भारत ने 145 और बिना विकेट गंवाये 49 रन बनाये थे जबकि इंग्लैंड की टीम अक्षर पटेल की गेंदबाजी के सामने दोनों पारियों में 112 और 81 रन ही बना सकी थी। नरेंद्र मोदी स्टेडियम की नयी बनी पिच को अगर 'घटिया' पिच करार दिया जाता तो इस पर प्रतिबंध लग सकता था। भारत और इंग्लैंड के बीच चार मैचों की टेस्ट श्रृंखला में पिच पर काफी विवाद होता रहा जिसमें विराट कोहली की टीम ने 3-1 से श्रृंखला जीतकर विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल के लिये क्वालीफाई किया था। चेन्नई में खेले गये दूसरे टेस्ट को भी औसत रेटिंग मिली है जिसमें भारत ने जीत हासिल कर श्रृंखला बराबर की थी। हालांकि पहले टेस्ट की पिच को 'बहुत अच्छी' रेटिंग दी

गयी है जिसमें इंग्लैंड ने जीत दर्ज की थी।

आईसीसी को प्रत्येक टेस्ट, एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय और टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के लिये पिच और आउटफील्ड के प्रदर्शन पर रेटिंग मिलती है। पिच और आउटफील्ड को मैच के बाद आईसीसी मैच रैफरी द्वारा अंक दिये जाते हैं। आईसीसी ने कहा, 'रेटिंग से मेजबान सदस्य बोर्ड को फीडबैक दिया जाता है जिससे उसे उस संबंधित स्थल पर अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए भविष्य में पिच और आउटफील्ड तैयार करने में सहायता मिले। घटिया (रद्दी) पिच पर आईसीसी द्वारा प्रतिबंध भी लगाया जा सकता है।'

आईएसएल-7 : एंगुलो ने गोल्डन बूट और अरिंदम ने जीता गोल्डन ग्लब्स अवॉर्ड

गोवा में समाप्त हुए इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के सातवें में सबसे अधिक गोल करने वाले खिलाड़ी को गोल्डन बूट और सबसे अच्छे गोलकीपर को गोल्डन ग्लब्स अवार्ड से नवाजा गया। एफसी गोवा के फॉरवर्ड इगोर एंगुलो को गोल्डन बूट और एटीके मोहन बागान के गोलकीपर अरिंदम भटटाचार्य को गोल्डन ग्लब्स अवार्ड से सम्मानित किया गया। एटीके मोहन बागान के स्ट्राइकर रॉय कृष्णा को गोल्डन बॉल के अवॉर्ड से नवाजा गया। मुंबई सिटी एफसी ने शनिवार को फातोर्दा के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में खेले गए हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के सातवें सीजन के फाइनल में मौजूदा चैम्पियन एटीके मोहन बागान को 2-1 से हराकर पहली बार आईएसएल चैम्पियन बनने का गौरव हासिल किया। मुंबई के लिए इस सीजन में हैट्रिक लगाने वाले बिपिन सिंह ने 90वें मिनट में विनिंग गोल किया। एफसी गोवा के एंगुलो ने इस सीजन में 21 मैचों में 14 गोल किए। हालांकि कृष्णा ने भी इस सीजन में 14 गोल दागे, लेकिन कृष्णा ने एंगुलो से दो मैच ज्यादा खेले हैं, जबकि एंगुलो ने दो मैच कम खेले हैं। इसलिए एंगुलो को गोल्डन बूट का अवॉर्ड दिया गया। एफसी गोवा को सेमीफाइनल में मुंबई सिटी के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। गोल्डन ग्लब्स का अवॉर्ड एटीके मोहन बागान के अरिंदम को दिया गया। अरिंदम के नाम इस सीजन में 10 क्लीन शीट रहा। हालांकि मुंबई सिटी एफसी के गोलकीपर अमरिंदर सिंह के नाम भी 10 क्लीन शीट है, लेकिन अरिंदम ने 23 मैचों में सबसे कम 19 गोल खाए हैं, जबकि अमरिंदर ने 23 मैचों में 21 गोल खाए हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आमिर खान और एली अवराम

की रोमांटिक जोड़ी, सुर्खियों में है मिस्टर परफेक्शनिस्ट का pcoming song

बॉलीवुड के हरफनमौला कलाकार आमिर खान (Aamir Khan) का रोमांटिक अंदाज एक बार फिर दिखने वाला है. लंबे समय से स्क्रीन से गायब आमिर को जल्द ही दर्शक देख पाएंगे. आमिर के एक गाने का लुक फैंस के लिए सोशल मीडिया पर शेयर किया गया है. टी सीरीज ने इस गाने की झलक अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर दिखाई है. मिली जानकारी के मुताबिक बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर ने इस गाने का लुक खुद ही डिजाइन किया है. इस गाने में आमिर के साथ एली अवराम (Elli avrram)हैं.

टी सीरीज के बैनर तले आमिर खान का एक नया गाना 'फिदाई' आने वाला है. इस गाने का लुक इंस्टाग्राम पर शेयर किया गया है. इस गाने में आमिर पहली बार एक्ट्रेस एली अवराम के साथ रोमांस करते नजर आने वाले हैं. इस गाने का रिलीज लुक बेहद दिलकश दिख रहा है. इसमें आमिर खान ने एली अवराम को अपनी बाहों में लिया हुआ है. आमिर और एली का रोमांटिक अंदाज फैंस को दीवाना बना रहा है. सोशल मीडिया पर फैंस के लिए फोटो शेयर करते हुए टी सीरीज ने कैप्शन लिखा है कि 'चारो तरफ फन है! #KoiJaaneNaMovie से त HarFunnMaula की एक झलक. यह गाना 10 मार्च को आ रहा है'.

मीडिया की खबरों के मुताबिक, आमिर खाने ने इस गाने की शूटिंग अपनी फिल्म लाल सिंह चड्ढा के बीच में की है. आमिर ने अपने तय शेड्यूल से एक ब्रेक लेकर इसे जयपुर में शूट किया है. कहा जा रहा है कि आमिर ने अपने करीबी दोस्त अमीन हाजी की मदद करने के लिए ऐसा किया. अमीन इस गाने के साथ डायरेक्शन में कदम रख रहे हैं.

वर्कफ्रंट की बात करें तो आमिर खान 'ठग्स ऑफ हिंदुस्तान' के बाद फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' में दिखेंगे. आमिर इन दिनों 'लाल सिंह चड्ढा' की शूटिंग कर रहे हैं. 'लाल सिंह चड्ढा' हॉलीवुड फिल्म फॉरेस्ट गंप का हिंदी वर्जन है. इस फिल्म में आमिर के साथ करीना कपूर लीड रोल में हैं.

करना चाहते थे राजकुमार राव, फिर दोनों 'बधाई दो' पर झपट पड़े

एक्टर राजकुमार राव (Rajkummar Rao) ने अपने हर नए किरदार में अपने अभिनय-कौशल की झलक दी है. फिर वह ओमेर्टा में खूंखार आतंकवादी शाहिद का रोल हो या फिर बरेली की बर्फी में भोला-भाला प्रीतम. उन्होंने अपने हरेक किरदार से दर्शकों को चौंकाया है. यह जबरदस्त अभिनेता अब अपनी फिल्म बधाई दो (Badhaai Do) में एक पुलिस अधिकारी की भूमिका में नजर आएंगे. वे हर्षवर्धन कुलकर्णी की फिल्म का हिस्सा बनने से काफी रोमांचित हैं. खासकर जब उन्हें पहली बार पुलिसवाले के रोल में लिया गया है.

जब से 'बधाई हो' के सीक्वल की घोषणा हुई है, तब से फिल्म के फैंस इसकी रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. जब से फिल्म में राजकुमार राव और भूमि पेडनेकर (Bhumi Pednekar) के बतौर लीड एक्टर शामिल होने की खबर आई है, तबसे फिल्म को लेकर दर्शकों की उम्मीदें बढ़ गई हैं.

फिल्म में सिपाही शार्दुल ठाकुर का किरदार निभाने वाले राजकुमार राव ने भूमि के साथ काम करने के बारे में अपने विचार शेयर करते हुए कहा, भूमि के साथ काम करना शानदार अनुभव रहा है. वह बेहद टैलेंटेड हैं और मैं उनके काम को देख रहा हूं. बतौर एक्ट्रेस उन्होंने काफी प्रोग्रेस किया है. मैं उनके साथ काम करना चाह रहा था और मुझे अच्छी स्क्रिप्ट नहीं मिल रही थी. फिर बधाई दो हमारे रास्ते आई और हम दोनों उस पर झपट पड़े. बता दें कि भूमि फिल्म में एक पीटी टीचर का रोल निभा रही हैं.फिल्म बधाई हो 2018 की सबसे सफल फिल्म थी और इसे 2019 में राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला था. फिल्म को यह सम्मान इसकी अलग, लेकिन असरदार पटकथा के लिए मिला था. यह देखना वाकई में मजेदार होगा कि इसकी दूसरी किस्त पर्दे पर किस तरह परफॉर्म करती है.बता दें कि राजकुमार राव इसके अलावा हॉरर कॉमेडी मूवी रूही (Roohi)' में नजर आएंगे. इसमें जाह्नवी कपूर और वरुण शर्मा भी अहम रोल निभा रहे हैं. इस फिल्म को स्त्री का दूसरा भाग कहा जा रहा है, जो 2018 में रिलीज हुई थी. यह फिल्म 11 मार्च, 2021 को रिलीज की जाएगी. इसका निर्देशन हार्दिक मेहता ने किया है.

अनुष्का शर्मा ने बताया- क्रिकेट पिच के बाहर विराट कोहली, शांत लोगों में एक हैं

इंडियन क्रिकेट टीम (Indian Cricket Team) के कैप्टन विराट कोहली (Virat Kohli) की आक्रामकता क्रिकेट पिच पर देखते ही बनती है. विराट की आक्रामकता जग जाहिर है. विराट कोहली अपने करियर की शुरुआत से ही मैदान में कुछ ज्यादा ही आक्रामक दिखायी पड़ते हैं. इस वजह से कई बार आलोचना का भी शिकार हो चुके हैं.

अपनी बल्लेबाजी का कमाल दिखा अपने फैंस को खुश करने वाले विराट कई बार बता चुके हैं कि उनकी जिंदगी और नेचर में बदलाव लाने का क्रेडिट उनकी बीवी अनुष्का शर्मा (Anushka Sharma) को है. देश के टॉप सेलिब्रिटी कपल्स में से एक विराट और अनुष्का हमेशा एक दूसरे की तारीफ करते नजर आते हैं. हाल ही में ये दोनों पेरेंट्स भी बने हैं. एक इंटरव्यू में अनुष्का ने बताया था कि विराट फील्ड पर जितने आक्रामक है, फील्ड के बाहर उतने ही शांत इंसान हैं.

सन 2019 में फिल्मफेयर से बात करते हुए अनुष्का शर्मा ने अपने हस्बैंड विराट कोहली के बारे में खुलकर बताया था. क्रिकेट खिलाड़ी विराट अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं, लेकिन अनुष्का की मानें तो विराट सिर्फ फील्ड पर ऐसे दिखते हैं, क्योंकि क्रिकेट को लेकर विराट बेहद पैशनेट खिलाड़ी हैं. अनुष्का ने अपने इंटरव्यू में बताया कि 'विराट मैदान के बाहर बेहद रिलैक्स इंसान हैं. विराट सबसे ज्यादा शांत रहने वाले शख्स हैं. ये बात आप मेरे दोस्तों से और टीम से पूछ सकते हैं. वे फील्ड पर एग्रेसिव हैं, क्योंकि वे बहुत ही भावुक हैं. रियल लाइफ में वे बिल्कुल भी एग्रेसिव नहीं हैं. मैं कई बार विराट को देखकर कहती हूं, यू आर सो चिल.'

अनुष्का शर्मा और विराट कोहली के घर इसी साल जनवरी में बेटी वमिका ने जन्म लिया है. दोनों अपने अपने काम को लेकर बेहद संजीदा हैं, इसलिए बिजी रहते हैं. बावजूद इसके अपने रिश्ते की मजबूती को बनाए रखने के लिए विराट और अनुष्का अपने प्रोफेशनल लाइफ के साथ-साथ अपनी पर्सनल लाइफ को बेहतर तरीके से जीने के लिए जाने जाते हैं.

Gundi का टीजर रिलीज सपना चौधरी

के 'धाकड़' अंदाज ने लोगों को किया दंग

हरियाणवी देसी क्वीन सपना चौधरी (Sapna Choudhary) के नए हरियाणवी गाने गुंडी (Gundi) को लेकर जबरदस्त बज बना हुआ है. कुछ दिनों पहले सपना चौधरी का लुक पहले ही रिलीज हो चुका है. अब गाने का दमदार टीजर (Gundi Teaser out) सामने आ चुका है, जिसमें सपना का देसी नहीं बल्कि धाकड़ अंदाज सामने आया है. टीजर गाने की एक पूरी कहानी बयां कर रहा हैं. टीजर में बताया गया है कि कैसे गांव की सीधी-सादे परिवार की लड़की दबंगों को सबक सिखाने के हाथ में हथियार पकड़ती है.

सपना चौधरी (Sapna Choudhary) ने इस गाने के टीजर को अब से कुछ देर पहले सोशल मीडिया (Social Media) पर शेयर किया है. इस टीजर में सपना हाथों में बंदूर लिए पूरी गांव में बंदूक लिए घूमती नजर आ रही हैं. टीजर शानदार और दमदार दोनों ही है.

सपना चौधरी का ये नया हरियाणवी गाना अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस यानी 8 मार्च को रिलीज होने जा रहा है. जो यूट्यूब चैनल dreams entertainment haryanvi पर अपलोड होगा.

ये गाना उन महिलाओं पर आधारित है, जिनको समाज में अन्याय सहना पड़ता है और वह उसके खिलाफ आवाज नहीं उठा पाती हैं. इस गाने पहली बार सपना चौधरी खास अंदाज में नजर आ रही हैं. हालांकि ये गाना कैसा होगा, म्यूजिक कैसा होगा, बोल कैसे होंगे. इसे लेकर कोई खुलासा नहीं किया गया है. लेकिन सपना का लुक खूब सुर्खियों में है और इससे ही गाने के धमाकेदार होने का अंदाजा लगाया जा रहा है.

इस गाने को राज मावर और सिमरन बुमराह ने गाया है. गाने के बोल संजीत सरोहा ने लिए हैं और गाने को म्यूजिक राज म्यूजिक ने दिया है.

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रुद्राभिषेक मोक्ष प्राप्ति का साधन

भोलेनाथ अपने नाम के अनुरुप बहुत भोले हैं। भगवान शिव एक लोटा जल से भी प्रसन्न होकर अपने भक्तों के सारे कष्ट हर लेते हैं। शिवलिंग पर जलाभिषेक करने से व्यक्ति की सारी मनोकामनाएं पूर्ण होती है। वहीं रुद्राभिषेक करने से व्यक्ति की कुंडली से पातक कर्म एवं महापातक भी जलकर भस्म हो जाते हैं। कहा जाता है कि भगवान शिव के पूजन से सभी देवताओं की पूजा स्वतः हो जाती है। हमारे शास्त्रों में विविध कामनाओं की पूर्ति के लिए रुद्राभिषेक के पूजन के निमि अनेक द्रव्यों तथा पूजन सामग्री को बताया गया है। विशेष अवसर पर या सोमवार, प्रदोष और शिवरात्रि आदि पर्व के दिनों में मंत्र, गोदुग्ध या अन्य दूध मिलाकर अथवा केवल दूध से भी अभिषेक किया जाता है। विशेष पूजा में दूध, दही, घृत, शहद और चीनी से अलग-अलग अथवा सबको मिलाकर पंचामृत से भी अभिषेक किया जाता है। इस प्रकार विविध द्रव्यों से शिवलिंग का विधिवत अभिषेक करने पर अभीष्ट कामना की पूर्ति होती है। वहीं रुद्राभिषेक से कालसर्प योग, गृहलेश, व्यापार में नुकसान, शिक्षा में रुकावट सभी कार्यों की बाधाएं भी दूर होती हैं।

भगवान शिव के रुद्राभिषेक के लाभ

- शिवलिंग का जलाभिषेक करने से वर्षा होती है। कुशोदक अर्थात ऐसा जल जिसमें कुश घास की पत्तियां छोड़ी गई हों से रुद्राभिषेक करें। इससे असाध्य रोगों से मुक्ति मिलती है।
- दही से रुद्राभिषेक करने से भवन-वाहन की प्राप्ति होती है।
- शिवलिंग पर गन्ने के रस से अभिषेक करने पर अपार लक्ष्मी मिलती है।
- शहद व घी से शिवलिंग पर रुद्राभिषेक करने से धन में वृद्धि होती है।
- तीर्थ के जल से शिवलिंग पर रुद्राभिषेक करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है।
- रोगों से मुक्ति हेतु इत्र से अभिषेक करने से लाभ होता है।
- दूध से रुद्राभिषेक करने से पुत्र रत्न की प्राप्ति होती है।
- शीतल जल या गंगा जल से रुद्राभिषेक करने से ज्वर से शांति मिलती है।
- सहस्रनाम-मंत्रों का उच्चारण करते हुए घृत की धारा से रुद्राभिषेक करने पर वंश का विस्तार होता है।
- दूध में शक्कर मिलाकर रुद्राभिषेक करने के मंदबुद्धि भी विद्वान हो जाता है।
- शत्रुओं से परेशान हैं तो सरसों के तेल से शिवलिंग पर अभिषेक करने से दुश्मन पराजित होंगे।

कुंभ नगरी हरिद्वार के बारे में रोचक बाते

उराखंड का एक शहर हरिद्वार जहां लगता है विश्व प्रसिद्ध कुंभ मेला। गंगा के तट पर बसा यह नगर बहुत ही खूबसूरत और प्राकृतिक छटा से परिपूर्ण है। हरिद्वार के संबंध में रोचक बातें।

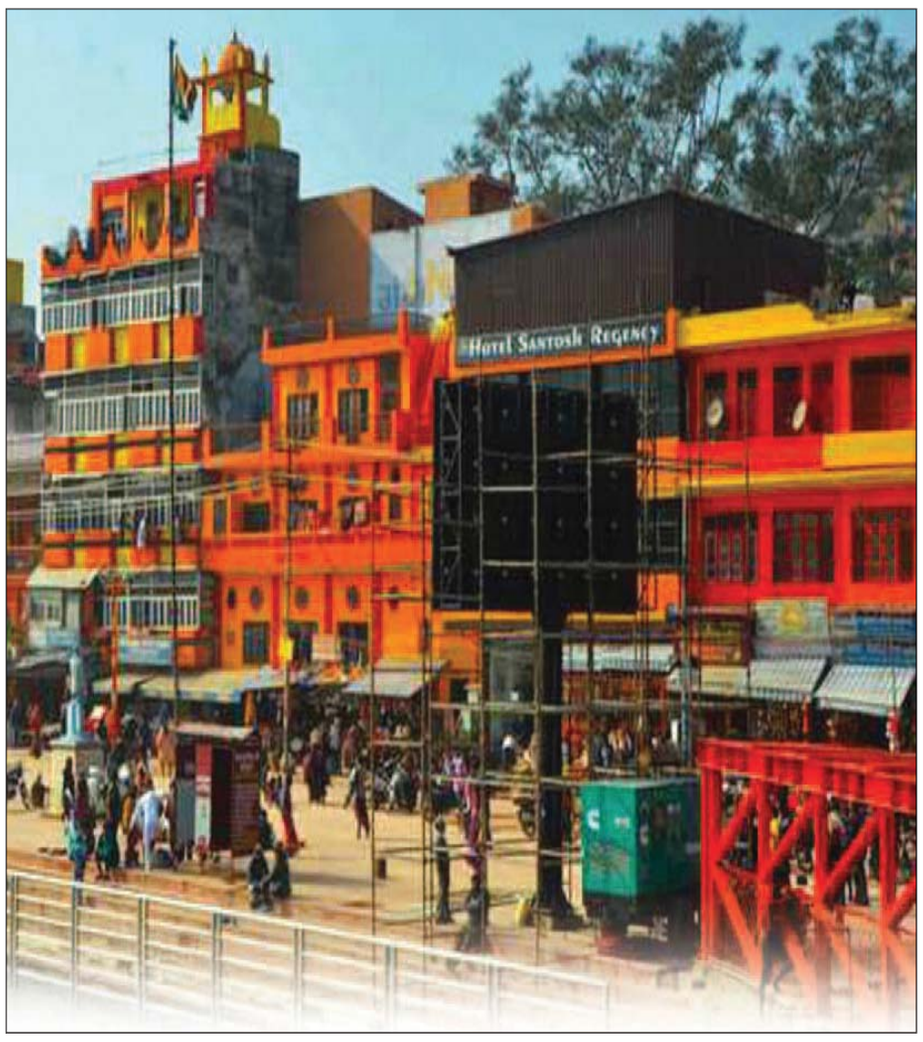

- हरिद्वार का प्राचीन नाम है मायानगर या मायापुरी। हरिद्वार अर्थात हरि के घर का द्वार। इस गंगा द्वार भी कहते हैं। गंगा हरि के घर से निकलकर यहां मैदानी इलाके में पहुंचती है। हरि अर्थात बद्रीनाथ विष्णु भगवान जो पहाड़ों पर स्थित है। हरिद्वार का एक भाग आज भी 'मायापुरी' नाम से प्रसिद्ध है।
- हरिद्वार को भारत की सात प्राचीन नगरियों में से एक माना जाता है। पुराणों में इसकी सप्त मोक्षदायिनी पुरियों में गणना की जाती थी।
- हरिद्वार गंगा के पावन तट पर बसा है। कहा जाता है समुद्र मंथन से प्राप्त किया गया अमृत यहाँ हरिद्वार के हर की पैड़ी स्थान पर गिरा था। इसीलिए यहां पर कुंभ पर्व का आयोजन होता है।
- हरिद्वार को 3 देवताओं ने अपनी उपस्थिति से पवित्र किया है ब्रह्मा, विष्णु और महेश। गंगा के उत्तरी भाग में बसे हुए 'बदरीनारायण' तथा 'केदारनाथ' नामक भगवान विष्णु और शिव के पवित्र तीर्थों के लिए इसी स्थान से आगे मार्ग जाता है। इसीलिए इसे 'हरिद्वार' तथा 'हरद्वार' दोनों ही नामों से पुकारा जाता है। वास्तव में इसका नाम 'गेटवे ऑफ द गॉड्स' है।
- कहा जाता है कि भगवान विष्णु ने हर की पैड़ी के ऊपरी दीवार में पत्थर पर अपना पैर प्रिंट किया है, जहां पवित्र गंगा हर समय उसे छूती है।
- कनखल हरिद्वार का सबसे प्राचीन स्थान है। इसका उल्लेख पुराणों में मिलता है। यह स्थान हरिद्वार से लगभग 35 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। वर्तमान में कनखल हरिद्वार की उपनगरी के रूप में जाना जाता है। कनखल का इतिहास महाभारत और भगवान शिव से जुड़ा हुआ है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार कनखल ही वो जगह है जहां राजा दक्ष ने प्रसिद्ध यज्ञ किया था और सती ने अपने पिता द्वारा भगवान शिव का अपमान करने पर उस यज्ञ में खुद को दाह कर लिया था।
- हरिद्वार को पंचपुरी भी कहा जाता है। पंचपुरी में मायादेवी मंदिर के आसपास के 5 छोटे नगर समिलित हैं। कनखल उनमें से ही एक है।
- हरिद्वार में शांतिकुंभ स्थान पर विश्वामित्र ने घोर तप किया था तो दूसरी ओर सप्तऋषि आश्रम में सप्तऋषियों ने तपस्या की थी। यह स्थान कई ऋषि और मुनियों की तपोभूमि रहा है। इसके अलावा श्रीराम के भाई लक्ष्मण जी ने हरिद्वार में जूट की रस्सियों के सहारे नदी को पार किया था, जिसे आज लक्ष्मण झुला कहा जाता है। कपिल मुनि ने भी यहां तपस्या की थी। इसलिए इस स्थान को कपिलास्थान भी कहा जाता है। कहते हैं कि राजा श्वेत ने हर की पौड़ी पर भगवान ब्रह्मा की तपस्या की थी। राजा की भति से प्रसन्न होकर ब्रह्मा ने जब वरदान मांगने को कहा तो राजा ने वरदान मांगा कि इस स्थान को ईश्वर के नाम से जाना जाए। तब से हर की पौड़ी के जल को ब्रह्मकुण्ड के नाम से भी जाना जाने लगा।
- यहां शक्ति त्रिकोण है। शति त्रिकोण अर्थात पहला मनसा देवी का खास स्थान, दूसरा चंडी देवी मंदिर और तीसरा माता सती का शक्तिपीठ जिसे मायादेवी शक्तिपीठ कहते हैं। यहां माता सती का हृदय और नाभि गिरे थे। माया देवी को हरिद्वार की अधिष्ठात्री देवी माना जाता है।
- हरिद्वार में ही विश्व प्रसिद्ध गंगा आरती होती है। हरिद्वार की तर्ज पर बाद में गंगा आरती का आयोजन ऋषिकेश, वाराणसी, प्रयाग और चित्रकूट में भी होने लगा। हरिद्वार की गंगा आरती को देखते हुए 1991 में वाराणसी में दशाश्वमेध घाट पर प्रारंभ हुई थी।

वास्तु दोषों का निवारण करती है गाय

वास्तु के अनुसार अगर भवन, घर का निर्माण करना हो यदि वहां पर बछड़े वाली गाय को लाकर बांधा जाए तो वहां संभावित वास्तु दोषों का स्वतः निवारण हो जाता है। वह कार्य निर्विघ्न पूरा होता है और समापन तक आर्थिक बाधाएं नहीं आतीं। गाय के रूप में पृथ्वी की करुण पुकार और विष्णु से अवतार के लिए निवेदन के प्रसंग बहुत प्रसिद्ध हैं। 'समरांगण सूत्रधार' जैसा प्रसिद्ध वृहद् वास्तु ग्रंथ गो रूप में पृथ्वी-ब्रह्मि के समागम-संवाद से ही आरंभ होता है। वास्तुग्रंथ 'मयमतम' में कहा गया है कि भवन निर्माण का शुभारंभ करने से पूर्व उस भूमि पर ऐसी गाय को लाकर बांधना चाहिए जो सवत्सा या बछड़े वाली हो।

शास्त्रों में लिखा हैं की जब नवजात बछड़े को जब गाय दुलारकर चाटती है तो उसका फेन भूमि पर गिरकर उसे पवित्र बनाता है और वहां होने वाले समस्त दोषों का निवारण हो जाता है। यही मान्यता वास्तुप्रदीप, अपराजितपृच्छा आदि में भी आई है। महाभारत के अनुशासन पर्व में कहा गया है कि गाय जहां बैठकर निर्भयतापूर्वक सांस लेती है, उस स्थान के सारे पापों को खींच लेती है

निविष्ट गोकुलं यत्र श्वांस मुंचति निर्भयम।
विराजयति तं देशं पापं चास्याप कर्षति॥

यह भी कहा गया है कि जिस घर में गाय की सेवा हो, वहां पुत्र-पौत्र, धन, विद्या, सुखादि जो भी चाहिए, मिल सकता है। यही मान्यता अत्रिसंहिता में भी आई है। अत्रि ने तो यह भी कहा है कि जिस घर में सवत्सा धेनु नहीं हो, उसका मंगल-मांगल्य कैसे होगा? गाय का घर में पालन करना बहुत लाभकारी है। ऐसे घरों में सर्वबाधाओं और विघ्नों का निवारण हो जाता है। जिस घर में गाय रहती है उसमें रहने वाले बच्चों में भय नहीं रहता। विष्णु पुराण में कहा गया है कि जब श्रीकृष्ण पूतना के दुग्धपान से डर गए तो नंद दंपती ने गाय की पूंछ घुमाकर उनकी नजर उतारी और भय का निवारण किया। सवत्सा गाय के शकुन लेकर जाने से कार्य सिद्ध होता है। पद्मपुराण, और कूर्मपुराण में कहा गया है कि कभी गाय को लांघकर नहीं जाना चाहिए। किसी भी साक्षात्कार, उच्च अधिकारी से भेंट आदि के लिए जाते समय गाय के रंभाने की ध्वनि कान में पड़ना शुभ है। संतान लाभ के लिए घर में गाय की सेवा अच्छा उपाय कहा गया है। शिवपुराण व स्कंदपुराण में कहा गया है कि गो सेवा और गोदान से यम का भय नहीं रहता। गाय के पांव की धूली का भी अपना महत्व है। यह पाप विनाशक है, ऐसा गरुड़पुराण और पद्मपुराण का मत है।

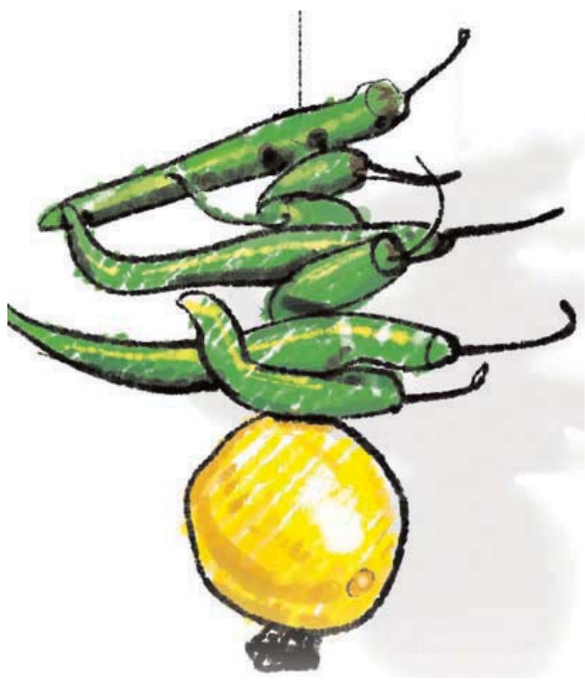

पाखंड और अंधविश्वास से बचा सकती है ऐसी सोच

आप किसी भी शहर में हों, आपको सुनने को मिलेगा कि कोई अलौकिक बाबा, योगपुरुष या फकीर का आगमन इस शहर में हो रहा है। उनके दर्शन या स्पर्श मात्र से असाध्य से असाध्य बीमारियां पलक झपकते ही गायब हो जाती हैं। इच्छुक व्यक्ति के मिलने के लिए बाबाओं के सारे अते-पते के पैंफ्लेट शहर की दीवारों पर चिपके मिलते हैं। बाबाओं को मालूम है कि हमारे यहां समस्याग्रस्त लोगों की कमी नहीं है। एक ढूंढो, लाख मिल जाते हैं। एक बार मैं भी आजमाने के खयाल से मुंबई में एक बाबा से मिलने चला गया। लेकिन वह मुझसे नाराज इसलिए हो गए क्योंकि मैंने उन्हीं की बात को दोहराते हुए कह दिया कि जब ईश्वरीय इच्छा से सब कुछ होना है तो फिर लोग आपके पास क्यों आएं वे खुद भगवान से अपने अच्छे दिन के लिए प्रार्थना करेंगे। अनेक असाध्य रोगियों से उन्हें कहते हुए सुना कि यह केस वे नहीं ले सकते क्योंकि ईश्वर की इच्छा के विरुद्ध जाना होगा। इसका सीधा मतलब है कि उनका पाखंड जहां चल जाता है, वे वहां अपना धंधा करने में कामयाब हो जाते हैं। असाध्य रोगियों पर ईश्वर की इच्छा लाद देते हैं। यह सिर्फ एक घटना नहीं, बल्कि हमारे देश में होने वाली घटनाओं की लंबी शृंखला की एक कड़ी है। कहीं भभूति, कहीं स्पर्श मात्र से तो कहीं मंत्र से शुद्ध किया हुआ पानी पिलाने से समस्याओं और रोगों को ठीक करने की गारंटी कब से दी जाती रही है। आजकल योग-ध्यान का विज्ञापन भी इसी सस्ती भूमिका पर उतर आया है। कोई यह सोचने के लिए तैयार नहीं है कि भारत में जब इतने महात्मा, बाबा और योगीजन बीमारियों से मुक्त करने का दावा कर रहे हैं तो बड़े-बड़े अस्पतालों, डॉक्टरों और इन पर होने वाले भारी भरकम खर्च की या जरूरत है लेकिन जब हम इनके जीवन के भीतर झांकते हैं तो तस्वीर का एक दूसरा बड़ा ही दयनीय और निराशाजनक पहलू सामने आता है। दूसरों को रोगमुत करने वाला खुद डॉक्टरों की शरण में होता है। आज शरीर-शास्त्री तथा चिकित्सा-विज्ञान के पंडित इस तथ्य से सहमत हैं कि अधिकांश रोगों का कारण हमारा मन है। मानसिक आवेग और उद्वेग बहुत प्रकार के रोगों को जन्म देते हैं। कुछ रोग आज के व्यस्तता बहुल वातावरण से उत्पन्न दबावों और तनावों की वजह से होते हैं। ये रोग मनोवैज्ञानिक हैं, इसलिए इनका इलाज भी उसी भूमिका पर होना आवश्यक होता है। इसी का फायदा बाबा उठा लेते हैं। आस्थाशील लोग एक मनो-विभ्रम से निकलकर दूसरे मनो-विभ्रम में पड़ जाते हैं। चूंकि यह सुखद विभ्रम होता है इसलिए साधारण आदमी के लिए यह चमत्कार बन जाता है। एक कथित चमत्कारिक घटना को आधार बनाकर दस नई कथाओं को खड़ा करने में भत लोग माहिर होते हैं। इस तरह यह सिलसिला आगे चलता रहता है। सुशिक्षित, बुद्धिमान लोग भी इनकी गिरत में आ जाते हैं। लेकिन आज इस स्थिति का मनोवैज्ञानिक विश्लेषण होना आवश्यक है। तभी पाखंडों और अंधविश्वासों को पनपने से रोका जा सकता है। श्रद्धा का शोषण शताब्दियों से किया जाता रहा है और आज भी हो रहा है। इन स्थितियों को समझने के साथ-साथ मनोविभ्रम से भी निकलना बहुत जरूरी है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चिनफिंग के ड्रीम प्रोजेक्ट पर कोरोना ने लगाया ब्रेक, बेल्ट एंड रोड इनीशिएटिव में काम पूरी तरह ठप

काबुल। (एजेंसी)।

चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग का एक नई विश्व व्यवस्था स्थापित करने का सपना टूटने के कगार पर है। उनकी बनाई गई बेल्ट एंड रोड इनीशिएटिव (बीआरआइ) परियोजना कोरोना से बिगड़ती अर्थव्यवस्था के कारण पूरी तरह से रुक गई है। महामारी और उससे उत्पन्न विश्व के अन्य देशों से बढ़ते तनाव के कारण चीन की अर्थव्यवस्था बुरी तरह चरमरा गई है। बीआरआइ में नए ऋण और निवेश उसके लिए मुश्किल हो गया है। योजनाएं जहां की तहां रुक गई हैं।

ग्रीन बैल्ड एंड रोड इनीशिएटिव के शोधकर्ताओं के अनुसार 2020 में चीन का निवेश तेजी से घट गया है। इसमें एक वर्ष में 54 फीसद की गिरावट आई है। काबुल टाइम्स के अनुसार चीनी विदेश मंत्रालय के इंटरनेशनल इकोनोमिक अफेयर डिपार्टमेंट के डायरेक्टर जनरल वांग शियालोंग ने बताया कि बीआरआइ के बीस फीसद कार्य बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। 30 से 40 फीसद कामों पर प्रतिकूल असर पड़ा है।

चीन की आर्थिक स्थिति कोरोना महामारी के दौरान तेजी से नीचे आई है और बीआआइ में निवेश की स्थिति 2016 में 75 बिलियन डॉलर थी, जो 2020 में गिरकर मात्र 3 बिलियन डॉलर रह गई। इसके अलावा बीआरआइ योजनाओं में घपले से तमाम समस्याएं आ गई हैं। वित्तीय पारदर्शिता का अभाव, अनुचित ऋण शर्तें, कर्ज डूबने का डर और नकारात्मक सामाजिक और पर्यावरणीय प्रभाव से पूरी योजना का भविष्य दांव पर लग गया है।

यही नहीं चीन की हर बात मानने वाले पाकिस्तान में भी बीआरआइ के तहत 122 योजनाओं में से मात्र 32 में ही कार्य शुरू हो सका है। स्वतंत्र रूप से शोध करने वाले एक संगठन रोडियम के अनुसार बीआरआइ परियोजना में कोरोना से पहले ही प्रगति धीमी होने लगी थी। पिछले तीन वर्षों में चीन का निवेश लगभग स्थिर हो गया है।

इसका असर उसकी अन्य विकासशील देशों में चल रही योजनाओं में भी देखने को मिला है। इस शोध संस्थान ने अब बीआरआइ योजना के गति पकड़ने की बहुत ही कम संभावना जताई है। उल्लेखनीय है कि इसी योजना के तहत पाक में चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे को भी बनाए जाने का काम चल रहा है।

भारत के खिलाफ नई साजिश? प्रतिबंधित खालिस्तान समर्थक संगठन ने संयुक्त राष्ट्र को दिया चंदा, जानें एसएफजे के नापाक मंसूबे

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

भारत की आबो-हवा में जहर घोलने के लिए कुख्यात बैन खालिस्तान समर्थक संगठन- सिख फॉर जस्टिस ने संयुक्त राष्ट्र को चंदा दिया है। खालिस्तान समर्थक संगठन एसएफ़जे यानी सिख फॉर जस्टिस ने संयुक्त राष्ट्र को करीब 7 लाख रुपए का चंदा दिया है। इस बात की पुष्टि खुद जेनेवा में संयुक्त राष्ट्र उच्चायुक्त मानवाधिकार कार्यालय (यूनाइटेड नेशन्स हाई कमिश्नर फॉर ह्यूमन राइट्स) के एक प्रवक्ता ने की है। सिख फॉर जस्टिस संगठन कृषि कानूनों के खिलाफ किसान आंदोलन में शामिल प्रदर्शनकारी किसानों के साथ हुए कथित दुर्व्यवहार की जांच के लिए एक कमिशन ऑफ इंक्वायरी गठित करने की लॉबिंग कर रहा है। माना जा रहा है कि इसी मांग के लिए इस संगठन ने इतनी बड़ी रकम का चंदा दिया है।

ज्ञह्हद्ध की खबर के मुताबिक, जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र के उच्चायुक्त मानवाधिकार के कार्यालय के एक प्रवक्ता ने बताया कि हम इस बात की पुष्टि करते हैं कि हमें 1 मार्च को सिख फॉर जस्टिस ग्रुप का प्रतिनिधित्व करने वाले एक व्यक्ति से ऑनलाइन के जरिए 10,000 डॉलर (करीब 7लाख) का चंदा प्राप्त हुआ है। उनके मुताबिक, संयुक्त राष्ट्र तब तक किसी का चंदा लेने से इनकार नहीं करता, जब तक कि वह शख्स या संगठन संयुक्त राष्ट्र की प्रतिबंध सूची में शामिल न हो या फिर संयुक्त राष्ट्र चार्टर या इसके सिद्धांतों के विपरीत गतिविधियों में शामिल न हो।

अमेरिका में रहने वाला गुरपतवंद सिंह पन्नून, जो कि खालिस्तान समर्थक सिख फॉर जस्टिस का जनरल काउंसेल है, वही इसके पीछे बताया जा रहा है। भारत की ओर से आतंकी घोषित हुए गुरपतवंद सिंह पन्नून ने ही भारत में प्रद्रशनकारी किसानों के खिलाफ कथित हिंसा और राजद्रोह केसों की जांच के लिए संयुक्त राष्ट्र से कमीशन ऑफ इंक्यावरी गठित करने की मांग की है और उसका दावा है कि इसके लिए सिख समुदाय ने 13 लाख अमेरिकी डॉलर यानी करीब 9,44,96,02 रुपए दान देने की बात कही है।

हालांकि, अब तक संयुक्त राष्ट्र ने कमीशन की स्थापना नहीं की है। गुरपतवंत सिंह ने कहा कि मेरी जानकारी के अनुसार संयुक्त राष्ट्र ने आयोग की स्थापना नहीं की है। लेकिन हम मानवाधिकारों के लिए उच्चायुक्त के संयुक्त राष्ट्र कार्यालय के माध्यम से इस मामले को आगे बढ़ा रहे हैं। बता दें कि कमीशन ऑफ इंक्वायरी का गठन आमतौर पर उन जगहों के लिए होता है, जहां पर मानवाधिकारों के हनन का मामला सामने आता है। फिलहाल, सीरिया के लिए एक एक कमीशन ऑफ इंक्वायरी गठित है।

यूनाइटेड नेशन्स हाई कमिश्नर फॉर ह्यूमन राइट्स के प्रवक्ता ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र की ओर से भारत में ऐसी किसी कमीशन को गठित करने की योजना नहीं है। उन्होंने कहा, ज्यादातर कमीशन ऑफ इंक्वायरी का गठन संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के 47 सदस्यों की विशेष मत के बाद होता है। साथ ही इसके लिए सुयुक्त राष्ट्र की ओर से बजट भी तय होता है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि किसी खास गतिविधि के लिए संयुक्त राष्ट्र किसी व्यक्ति या संठन के दान देने मात्र से तैयार नहीं हो जाता।

प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई को लेकर ब्रिटिश पुलिस घिरी, ब्रिटेन की गृह मंत्री प्रीति पटेल ने भी किया ट्वीट

लंदन। (एजेंसी)।

ब्रिटेन के लंदन में एक महिला की हत्या के विरोध में कोरोना प्रतिबंधों का उल्लंघन कर प्रदर्शन कर रहे लोगों पर पुलिस की कार्रवाई जांच के घेरे में आ गई है। सारा एवरर्ड को अंतिम बार तीन मार्च को क्लैफम कॉमन (पार्क) के निकट देखा गया था। वह अपने एक मित्र के घर से रात करीब साढ़े 10 बजे अपने घर जाने के लिए पैदल निकली थी, लेकिन वह अपने घर नहीं पहुंची और एक सप्ताह बाद उसका शव मिला।

एवरर्ड के अपहरण और हत्या में एक पुलिस अधिकारी के कथित रूप से शामिल होने की बात सामने के बाद से पूरे ब्रिटेन में हंगामा हो गया है और लोग महिलाओं के खिलाफ हिंसा को लेकर आवाज उठा रहे हैं।

इस घटना के विरोध में सैकड़ों लोग पुलिस के अनुरोध और अदालत के आदेश की अवहेलना करते हुए शनिवार रात क्लैफाम कॉमन में एकत्र हुए, ताकि उस डर एवं खतरे की तरफ लोगों का ध्यान खींचा जा सके, जिसका सामना ब्रिटेन में कई महिलाएं रोजाना करती हैं।

ब्रिटेन की गृह मंत्री प्रीति पटेल ने ट्वीट किया कि उन्होंने इस घटना को लेकर मेट्रोपोलिटन पुलिस ने पूरी रिपोर्ट मांगी है। एवरर्ड का हत्यारोपी एवं मेट्रोपोलिटन पुलिस कांस्टेबल वेन कुजेंस (58) को शनिवार को पहली बार अदालत में पेश किया गया, जिसके कुछ ही घंटों बाद यह प्रदर्शन हुआ।

हाउती विद्रोहियों से डरे इजरायल के पीएम नेतन्याहू, यूएई जाते वक्त सऊदी हवाई क्षेत्र का नहीं किया इस्तेमाल

यरुशलम। (एजेंसी)।

संयुक्त अरब अमीरात की यात्रा के दौरान इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को हाउती विद्रोहियों की मिसाइलों के हमले का डर सताता रहा। इसी कारण उन्होंने सऊदी अरब के हवाई क्षेत्र का इस्तेमाल नहीं किया। ये बात स्वयं इजराइली प्रधानमंत्री ने बताई।

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का विमान हाउती विद्रोहियों के निशाने पर था

नेतन्याहू का यह बयान उनकी पिछले सप्ताह हुई संयुक्त अरब अमीरात की यात्रा के बाद आया है। उनके लिए विवाद के चलते जार्डन ने पहले से ही अस्थाई रूप से हवाई रास्ते बंद कर दिए थे। नेतन्याहू के लिए इसके बाद बेहतर रास्ता सऊदी के आसमान से हो सकता था। एक टीवी चैनल को इजरायली प्रधानमंत्री ने बताया कि सऊदी अरब के हवाई क्षेत्र में यमन के हाउती विद्रोहियों के मिसाइल हमलों के कारण यह रास्ता खतरे वाला था। इसीलिए वहां से गुजरना उन्होंने मुनासिब नहीं समझा। नेतन्याहू ने यह नहीं बताया कि क्या उनका विमान भी ईरान समर्थित हाउती विद्रोहियों के निशाने पर था।

हाउती विद्रोहियों के कारण आर्थिक गतिविधियों पर पड़ रहा असर

ज्ञात हो कि हाउती विद्रोहियों के द्वारा हाल ही में सऊदी अरब की सीमा से निरंतर हमले किए जा रहे हैं। पिछले सप्ताह मिसाइल और ड्रोन विमानों से जिद्दाह के सबसे बड़े बंदरगाह और एयरपोर्ट को निशाना बनाया गया था। इन स्थानों पर हाउती विद्रोहियों के कारण आर्थिक गतिविधियों पर असर पड़ रहा है।

इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू संयुक्त अरब अमीरात की पहली यात्रा पर

इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू की संयुक्त अरब अमीरात में यह पहली यात्रा थी। यूएई से छह माह पूर्व ही अमेरिका की मध्यस्थता से इजरायल के संबंध सामान्य हुए हैं।

म्यांमार में सैन्य तख्ता पलट का विरोध करने वालों के विरूद्ध बल प्रयोग, 7 लोगों की मौत

मांडले। म्यांमार ने सैन्य तख्ता पलट के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे लोगों पर बल प्रयोग करते हुए सरकार ने गोलियां चलायीं जिसमें कम से कम सात लोगों की मौत हो गई। देश के दूसरे बड़े शहर मांडले में चार प्रदर्शनकारियों की मौत हुई है जबकि दक्षिण-मध्य म्यांमार के पयाय शहर में दो लोगों की और देश के सबसे बड़े शहर यंगून के उपनगरीय इलाके तवाने में एक व्यक्ति की मौत हुई है। सभी सात लोगों की मौत से जुड़ी सूचनाएं विभिन्न सोशल मीडिया साइट पर पोस्ट की गई हैं। इनमें से कई में मरने वालों की तस्वीरें भी शामिल हैं। बल प्रयोग के कारण मरने वालों की संख्या ज्यादा भी हो सकती है क्योंकि पुलिस ने कुछ शवों को अपने कब्जे में ले लिया था और घायलों में से कुछ की हालत नाजुक बनी हुई है। साथ ही डॉक्टरों और नर्सों का कहना है कि घायलों का अस्थाई अस्पतालों में बेहतर इलाज करना संभव नहीं है।

कई अस्पतालों पर सुरक्षा बलों का नियंत्रण होने के कारण मेडिकल स्टाफ उनका बहिष्कार कर रहा है तो कई में प्रदर्शनकारी इलाज कराने नहीं जा रहे हैं। म्यांमा ने संयुक्त राष्ट्र के स्वतंत्र मानवाधिकार कार्यकर्ता टॉम एंड्रयू ने बृहस्पतिवार को कहा था कि ''भरोसेमंद सूचना'' के अनुसार म्यांमा ने सुरक्षा बलों ने कम से कम 70 लोगों की हत्या की है।

लॉकडाउन के एक साल पूरे होने पर 'नेशनल डे ऑफ रिफ्लेक्शन' मनाएगा ब्रिटेन

लंदन। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने कोविड-19 के कारण लागू हुए राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन के एक साल पूरे होने पर 23 मार्च को 'नेशनल डे ऑफ रिफ्लेक्शन' के रूप में मनाने की एक परमार्थ संस्था की योजना को मंजूरी दे दी है। जॉनसन ने महामारी के कारण मरने वालों की याद में भारतीय समयानुसार शाम साढ़े पांच बजे कुछ पल का मौन रखने के परमार्थ संस्था मेरी क्यूरी की योजना को हां कर दी है। इस दौरान लोगों से अपने-अपने दरवाजों पर रोशनी करने और देश के सभी प्रमुख भवनों को रोशनी से जगमगाने की भी योजना है। प्रधानमंत्री ने कहा, ''हमारे देश के लिए बहुत मुश्किल भरा साल रहा है। मेरी संवेदनाएं अपने प्रियजनों को खोने वालों और उन्हें अपनी मर्जी और भावनाओं के अनुरुप श्रद्धांजलि नहीं दे पाने वालों के साथ है।'' उन्होंने कहा, ''जैसे-जैसे हम वायरस के खिलाफ मजबूत हो रहे हैं, मैं लगातार जूझ रहे लोगों को धन्यवाद देना चाहता हूं और आशा करता हूं कि पाबंदियों में नरमी आने के बाद वे अपने प्रियजनों से मिल सकेंगे।'' अन्य वरिष्ठ नेताओं ने भी इस योजना का स्वागत किया है। ब्रिटेन में 23 मार्च, 2020 तक कोरोना वायरस संक्रमण से 335 लोगों की मौत हुई थी। फिलहाल यह आंकड़ा 143,259 पहुंच गया है।

अमेरिका ने बेतहाशा खरीदीं कोरोना वैक्सीन, ईयू-ऑस्ट्रेलिया में हुई कमी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

अमेरिका और ब्रिटेन द्वारा कोरोना टीके की बेतहाशा खरीद के चलते यूरोपीय संघ और ऑस्ट्रेलिया में टीकों की कमी हो गई है। यहां तक कि स्पेन ने रियल मैड्रिड में टीकाकरण अभियान को दो हफ्ते के लिए निलंबित कर दिया है। इसके साथ ही पूरे यूरोप में टीके की कमी महसूस की जा रही है।

यूरोपीय आयोग ने कहा कि संघ सदस्य देशों के लिए कई कंपनियों से 2.30 अरब खुराक का करार किया था, लेकिन कंपनियों द्वारा कुछ समझौते की वजह से टीकों की आपूर्ति में कमी आ गई है। इसके अलावा कुछ समझौते अमेरिका और ब्रिटेन ने भी कर रखे हैं। इस वजह से इन दोनों देशों की आपूर्ति लगातार जारी है। वहीं अन्य देशों को टीके की कमी का सामना करना पड़ रहा है।

जरूरत से ज्यादा डोज खरीदी

आयोग ने कहा कि अमेरिका और ब्रिटेन ने जरूरत से ज्यादा खुराकें खरीद ली हैं। इस वजह से आयोग ने दोनों देशों को आड़े हाथों लिया है। वहीं, कैटालोनिया के एक क्षेत्रीय स्वास्थ्य अधिकारी जोसेप मारिया अरगिमन ने टीके की कमी पर चुटकी ली है। उन्होंने कहा कि मेरे दोस्त की फ्रिज खाली हो गई है। उनके इस बयान पर आयोग ने उनके खिलाफ मामला दर्ज करने का मन बनाया है। वहीं, आयोग ने टीके कमी को लेकर कंपनियों को भी दोषी ठहराया है। उसने कहा कि पहले आओ पहले पाओ की नीति दोषपूर्ण है।

अमीर देशों पर भी आया संकट

दुनिया भर में गरीब देश अब भी टीके के इंतजार में हैं। गरीब देश फिलहाल किसी भी टीके को सुरक्षित करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन इसके साथ अब अमीर देशों पर भी टीके की कमी का खतरा मंडराने लगा है। अगर देखा जाए तो कुछ ही अमीर देश टीके तक अपनी पहुंच बना पाए हैं। आलम यह है कि यूरोपीय संघ टीकाकरण के मामले में न सिर्फ अमेरिका और ब्रिटेन से पीछे है बल्कि इजरायल, कनाडा और संयुक्त अरब अमीरात से भी पीछे हो गया है।

अमेरिका पर बढ़ा टीके दान करने का दबाव

अमेरिका ने अपने नागरिकों के लिए जरूरत से ज्यादा खुराकें खरीद ली हैं। उसने इसके लिए मॉडर्न, फाइजर और जॉनसन एंड जॉनसन से एक अरब खुराक का समझौता किया है। इसके बाद अमेरिका पर टीके दान करने का दबाव बढ़ गया है। इसके खिलाफ आवाज उठने लगी है कि अमेरिका टीके की खुराकें अन्य देशों के साथ शेयर करे। हालांकि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि अपनी जरूरत पूरी होने के बाद ही दूसरे देशों की मदद करेंगे।

प्रशासन से इस बारे में सोचे- एस्ट्राजेनेका

एस्ट्राजेनेका के एक प्रवक्ता ने कहा कि अमेरिका ने एक अरब एस्ट्राजेनेका वैक्सीन की खुराक खरीदी है, लेकिन देश में वैक्सीन को अधिकृत नहीं किया गया है। कंपनी ने कहा कि दुनिया के अन्य देशों में इसका उपयोग किया जा सकता है। प्रवक्ता ने कहा कि अमेरिकी प्रशासन को इस बारे में सोचना चाहिए।

तीन फीसदी गरीब देशों में टीकाकरण शुरू हुआ

विश्व बैंक द्वारा हाल ही में किए गए विश्लेषण में पाया गया है कि उच्च आय वाले 82 फीसदी देशों में टीकाकरण अभियान शुरू हो चुका है। वहीं, निम्न आय वाले देशों की बात करें तो वे इस दौड़ में पिछड़ते नजर आ रहे हैं। कम आय वाले महज तीन फीसदी देशों में टीकाकरण अभियान शुरू हुआ है। इससे खुद ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि गरीब देशों का क्या हाल होगा।

सार समाचार

यमन की राजधानी सना में लगी आग, प्रवासियों ने अंतरराष्ट्रीय जांच की मांग की

काहिरा। यमन की राजधानी सना में रहने वाले प्रवासी समुदाय ने पिछले सप्ताह यहां लगी आग के मामले की अंतरराष्ट्रीय जांच कराए जाने की मांग की है। प्रवासियों के एक हिरासत केंद्र में लगी इस आग में कम से कम 44 लोगों की मौत हो गई थी और 200 से अधिक लोग घायल हो गए। सना में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में इथियोपियाई समुदाय के नेता ओटमन गिल्टो ने हादसे के लिए हुती विद्रोहियों की 'लापरवाही' को जिम्मेदार ठहराया जिसका सना पर नियंत्रण है। उन्होंने इसके साथ ही यमन में सहायता के लिए मौजूद संयुक्त राष्ट्र को भी जिम्मेदार ठहराया। इंटरनेशनल ऑर्गेनाइजेशन फॉर माइग्रेंट (आईओएम) संगठन के मुताबिक, गत रविवार को जब आग लगी तो हिरासत केंद्र में करीब 900 प्रवासी थे, जिनमें से अधिकतर इथियोपिया के निवासी थे। इनमें से करीब 350 प्रवासी एक गोदाम में बंद थे। आईओएम के महानिदेशक ने कहा, '' हिरासत केंद्र में क्षमता से तिगुने लोग थे, जो अमानवीय और असुरक्षित है।

कजाखस्तान सुरक्षा एजेंसी का विमान दुर्घटनाग्रस्त, चार लोगों की मौत

मास्को। कजाखस्तान की सरकारी सुरक्षा एजेंसी के एक विमान के शनिवार को दुर्घनाग्रस्त हो जाने से उसमें सवार चालक दल के चार सदस्यों की मौत हो गई और दो अन्य सदस्य घायल हो गए। कजाखस्तान के आपात मंत्रालय ने बताया कि दोनों घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मंत्रालय ने बताया कि दो इंजन वाला 'एन-26' टर्बोप्रॉप कजाखस्तान के सबसे बड़े शहर अल्माटी में हवाईअड्डे पर उतरते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस विमान ने देश की राजधानी नूर सुल्तान से उड़ान भरी थी और इसमें चालक दल के छह सदस्य सवार थे। जाखस्तान की राष्ट्रीय सुरक्षा समिति ने बताया कि यह विमान उसका था। उसने कहा कि विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने का कारण पता लगाने के लिए जांच की जा रही है। 'एन-26' को 1960 के दशक में डिजाइन किया गया था और सैन्य एवं असैन्य इस्तेमाल के लिए इस श्रृंखला के कई विमान बनाए गए थे, जिनका इस्तेमाल पूर्व सोवियत देशों समेत दुनियाभर के कई देश करते हैं। कजाखस्तान भी पहले सोवियत संघ का हिस्सा था।

पाकिस्तान में हिंदुओं ने दिखाई दरियादिली, मंदिर में तोड़फोड़ करने वाली भीड़ को किया माफ

पेशावर। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में रहने वाले हिंदू समुदाय ने सूबे में स्थित करीब एक सदी पुराने मंदिर में तोड़-फोड़ करने एवं उसमें आग लगाने की आरोपी भीड़ को माफ करने का फैसला किया है। इस विवाद को सुलझाने के लिए शनिवार को स्थानीय धार्मिक नेताओं और हिंदू समुदाय के लोगों ने बैठक की। अनौपाचारिक रूप से जिरगा कही जाने वाली बैठक में आरोपी ने हमले तथा वर्ष 1997 में भी इसी तरह की घटना को अंजाम देने के लिए माफी मांगी। मुस्लिम धर्म के नेताओं ने आश्वासन दिया कि वे हिंदुओं और उनके अधिकारों की देश के संविधान के अनुसार रक्षा करेंगे। बैठक में हुए समझौते की प्रति उच्चतम न्यायालय में जमा की जाएगी ताकि आरोपियों को रिहा किया जा सके। उल्लेखनीय है कि गत वर्ष 30 दिसंबर को स्थानीय मौलवियों एवं कट्टरपंथी पार्टी जमीयत-उलेमा-ए-इस्लाम के सदस्यों के नेतृत्व में भीड़ ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के करक जिले स्थित टेरी गांव में बने मंदिर और उससे लगी समाधि में तोड़फोड़ की थी व उसे आग के हवाले कर दिया था। स्थानीय उलेमा के साथ बैठक के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए पाकिस्तान हिंदू कांउसिल के अध्यक्ष रमेश कुमार ने कहा कि इस घटना ने दुनिया भर के हिंदुओं की भावना को आहत किया है। तहरीक ए इंसाफ पार्टी के टिकट से विधायक कुमार ने बताया कि खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री महमूद खान की अध्यक्षता में जिरगा की कार्यवाही हुई। गौरतलब है कि इस मामले में 50 लोगों को गिरफ्तार किया गया है । भारत ने भी इस घटना पर गहरी चिंता जताई थी। पाकिस्तान के उच्चतम न्यायालय ने खैबर पख्तूनख्वा सरकार को मंदिर का पुन- निर्माण कराने का आदेश दिया है।

पांच चीनी कंपनियां अमेरिका की सुरक्षा के लिए खतरा, हुआवे जैसे कई बड़े नाम शामिल

वाशिंगटन। लगातार बिगड़ते संबंधों के बीच अमेरिका ने चीन की पांच ऐसी कंपनियों की पहचान की है, जो उसकी सुरक्षा के लिए खतरा हैं। इन कंपनियों में चीन की हुआवे भी शामिल है। अमेरिका की फेडरल कम्युनिकेशन कमीशन (एफसीसी) और होमलैंड सिक्योरिटी ब्यूरो ने एक विज्ञप्ति जारी की है। इसमें उन कंपनियों की सूची जारी की गई है, जो संचार के उपकरणों के मामले में विश्वसनीय नहीं हैं और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बन सकती हैं। इन पांचों कंपनियों को उपकरण और सर्विस दोनों के लिए ही विश्वनीय नहीं माना गया है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन अपने पूर्ववर्ती राष्ट्रपति ट्रंप की तरह ही चीन के खिलाफ कठोर नीति पर चलते चल रहे हैं। एफसीसी ने कहा कि इन कंपनियों में चीन की संचार क्षेत्र की बड़ी कंपनी हुआवे, जेडटीइ, हेट्रा कम्युनिकेशन, हेंगजो हिक विजन डिजिटल टेक्नॉलॉजी, दाहुआ टेक्नॉलॉजी हैं।

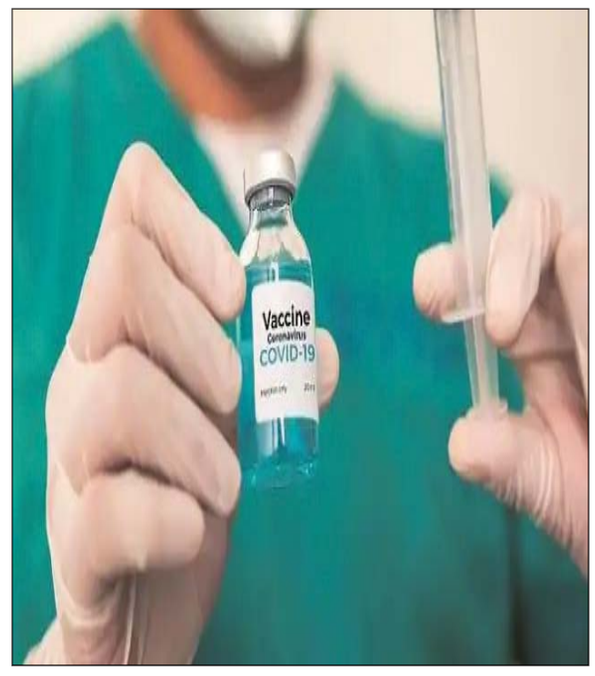

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

असम में गठबंधन को लेकर कांग्रेस में विरोधाभास, उलझन की स्थिति : जितेंद्र सिंह

नयी दिल्ली। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने रविवार को कहा कि असम में गठबंधन को लेकर कांग्रेस के भीतर विरोधाभास और उलझन की स्थिति है। साथ ही उन्होंने असम विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत को लेकर विश्वास जताया। सिंह ने दावा किया कि असम के लोग एक बार फिर भाजपा को राज्य की सत्ता में लाने का मन बना चुके हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्यमंत्री सिंह ने कहा कि यहां तक कि अब विपक्षी दलों को भी यह अहसास हो रहा है इसलिए भाजपा से मुकाबला करने के लिए आठ दल एक साथ आए हैं। उन्होंने कहा, ''इस गठबंधन को लेकर कांग्रेस में अंदरुनी विरोधाभास और उलझन की स्थिति है, इसलिए इससे उन्हें कोई लाभ नहीं होने जा रहा है। असम की 126 सदस्यीय विधानसभा के लिए पहले चरण में 47 सीटों पर 27 मार्च को और दूसरे चरण में 39 सीटों पर एक अप्रैल को जबकि तीसरे चरण में 40 सीटों पर छह अप्रैल को मतदान होगा।

जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में बीएसएफ और आतंकवादी के बीच मुठभेड़, एक आतंकी ढेर

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में रविवार को सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में एक आतंकवादी मारा गया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया सूचना मिलने के बाद जिले के रावलपोरा इलाके में सुरक्षाबलों ने शनिवार को घेराबंदी कर तलाश अभियान चलाया। उन्होंने बताया कि आतंकवादियों द्वारा गोलीबारी किए जाने के बाद सुरक्षाबलों ने भी जवाबी कार्रवाई की और तलाश अभियान मुठभेड़ में तब्दील हो गया। अधिकारी ने बताया कि पूरी रात शांति रहने के बाद सुबह दोनों ओर से फिर से गोलीबारी हुई ,जिसमें एक आतंकवादी मारा गया। उन्होंने बताया कि हथियार, गोलाबारूद और अपराध में संलिप्तता साबित करने वाली सामग्री मुठभेड़ स्थल से बरामद की गई है।

हिंद-प्रशांत क्षेत्र का खुला एवं मुक्त होना पर्याप्त नहीं,भारत को भी ऐसा ही होना होगा : चिदंबरम

नयी दिल्ली। क्वाड देशों के नेताओं के शिखर सम्मेलन के एक दिन बाद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम ने शनिवार को सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र का खुला एवं मुक्त रहना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि भारत को भी ऐसा ही होना होगा। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन, जापान के प्रधानमंत्री योशिहिदे सुगा और अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ चार देशों के समूह के नेताओं के पहले ऑनलाइन शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया था। 'क्वाड' नेताओं ने खुले, मुक्त, समावेशी, स्वस्थ, लोकतांत्रिक मूल्यों से जुड़े हिन्द-प्रशांत क्षेत्र के प्रति संकल्प व्यक्त किया था। चिदंबरम ने ट्वीट किया, ''यह पर्याप्त नहीं है, जैसा कि क्वाड नेताओं ने कहा, हिंद-प्रशांत क्षेत्र खुला और स्वतंत्र है।'' उन्होंने कहा, ''भारत (को भी) खुला और मुक्त होना चाहिए। दमनकारी कानून और असंतोष का दमन खुले और स्वतंत्र देश की पहचान नहीं है।

आंध्र प्रदेश : सड़क हादसे में छह कृषि मजदूरों की मौत, आठ अन्य घायल

अमरावती (आंध्र प्रदेश)। आंध्र प्रदेश के कृष्णा जिले में नुजिविदु के नजदीक रविवार सुबह एक सड़क हादसे में छह कृषि मजदूरों की मौत हो गई जबकि आठ अन्य घायल हो गए हैं। पुलिस ने बताया कि ये लोग विजयवाड़ा से 55 किलोमीटर दूर नुजिविदु के नजदीक लियोन टांडा नामक आदिवासी बस्ती के रहने वाले थे और ऑटोरिक्शे से नजदीकी गांव जा रहे थे तभी अज्ञात वाहन ने उनके ऑटो में टक्कर मार दी। पुलिस ने बताया कि छह मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि आठ लोग घायल हो गए, जिन्हें नुजिविदु और विजयवाडा के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। नुजिविदु के उप-खंड पुलिस अधिकारी श्रीनिवासुलु ने बताया कि मामला दर्ज कर टक्कर मारने वाले वाहन की तलाश की जा रही है। आंध्र प्रदेश के राज्यपाल बिश्वभूषण हरिचंदन, उप मुख्यमंत्री (स्वास्थ्य) एकेके श्रीनिवास, गृहमंत्री एम सुचित्रा, तेलुगुदेशम पार्टी अध्यक्ष एन चंद्रबाबू नायडू और जन सेना के अध्यक्ष के पवन कल्याण ने इस हादसे पर शोक व्यक्त किया है। श्रीनिवास ने कृष्णा जिले के चिकित्सा अधिकारी को घायलों का बेहतर इलाज सुनिश्चित करने केनिर्देश दिए हैं। उन्होंने मृतकों के परिवार को सरकारी सहायता उपलब्ध कराने का भी आश्वासन दिया है।

राष्ट्रपति कोविंद गंगा आरती में हुए शामिल, राज्यपाल और मुख्यमंत्री आदित्यनाथ भी रहे मौजूद

वाराणसी। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद शनिवार को वाराणसी में सपरिवार गंगा आरती में शामिल हुए। इस दौरान उनके साथ उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद थे। गंगा की दैनिक आरती में नौ अर्चकों सहित रिद्धि सिद्धि के रूप में अठारह कन्याओं ने आरती सम्पन्न करायी। इसके पहले राष्ट्रपति कोविंद ने सपरिवार काशी विश्वनाथ के दर्शन किए। इस दौरान भी आदित्यनाथ और राज्यपाल पटेल उनके साथ मौजूद रहे।

व्हीलचेयर पर बैठकर ममता बनर्जी ने किया रोड शो, कहा- घायल बाघ और अधिक खतरनाक

कोलकाता। (एजेंसी)।

पश्चिम बंगाल के नंदीग्राम में चुनाव प्रचार के दौरान घायल होने के करीब चार दिन बाद तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ममता बनर्जी ने रविवार को व्हीलचेयर पर बैठकर अपनी पार्टी के एक रोड शो का नेतृत्व किया और कहा कि एक घायल बाघ और अधिक खतरनाक होता है। बनर्जी के साथ टीएमसी के वरिष्ठ नेता भी थे। बनर्जी हाथ जोड़कर लोगों का अभिवादन स्वीकार कर रही थीं जबकि सुरक्षाकर्मी उनके व्हीलचेयर को पकड़ कर आगे बढ़ा रहे थे। बनर्जी 'नंदीग्राम' दिवस के मौके पर मायो रोड से हाजरा मोड़ तक पांच किलोमीटर लंबे रोडशो में शामिल हुईं। टीएमसी 14 मार्च को 'नंदीग्राम दिवस' के तौर पर मनाती है।

पार्टी 2007 में जमीन अधिग्रहण विरोधी आंदोलन के दौरान 14 मार्च को पुलिस की गोलीबारी में मारे गए 14 ग्रामीणों की याद में यह दिवस मनाती है। बनर्जी हाई-प्रोफाइल नंदीग्राम सीट पर पहली बार चुनाव लड़ रही हैं। बनर्जी का मुकाबला उनके पूर्व विश्वासपात्र शुभेंदु अधिकारी के साथ है, जो अब भाजपा में शामिल हो गए हैं। घंटे भर के रोडशो के बाद सभा को संबोधित करते हुए बनर्जी ने कहा कि उन्हें चुनाव प्रचार करने से रोकने के प्रयास विफल हो गए हैं। उन्होंने कहा कि वह व्हीलचेयर पर राज्य भर में

टीएमसी उम्मीदवारों के लिए प्रचार करेंगी। उन्होंने कहा, ''मैंने अपने जीवन में बहुत सारे हमलों का सामना किया है, लेकिन मैंने कभी किसी के सामने आत्मसमर्पण नहीं किया है। मैं अपना सिर कभी नहीं झुकाऊंगी। एक घायल बाघ और अधिक खतरनाक हो जाता है।'' बनर्जी 10 मार्च को नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद प्रचार करने के दौरान नंदीग्राम में चोटिल हो गई थीं।

तृणमूल कांग्रेस ने दावा किया था कि यह ''उनकी जान लेने का भाजपा का षड्यंत्र था।'' चुनाव आयोग ने हालांकि इससे इनकार किया है कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री एवं सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस नेता पर कोई हमला हुआ था। चुनाव आयोग ने यह बात आयोग के दो विशेष चुनाव पर्यवेक्षकों और राज्य सरकार द्वारा भेजी गई रिपोर्टों की समीक्षा के बाद कही। आयोग ने कहा कि बनर्जी को चोट उनके सुरक्षा प्रभारी की चूक के कारण लगी। उन्होंने कहा, ''डॉक्टरों ने मुझे आज प्रचार के लिए बाहर नहीं जाने की सलाह दी। लेकिन मुझे लगा कि मुझे आज की रैली में शामिल होना चाहिए क्योंकि मेरी चोट के कारण हम पहले ही कुछ दिन गंवा चुके हैं।'' उन्होंने कहा, ''मेरा दर्द लोगों की पीड़ा से अधिक नहीं है, क्योंकि तानाशाही के जरिये लोकतंत्र को रौंदा जा रहा है।'' बनर्जी कहा कि वह रविवार शाम में दुर्गापुर के लिए रवाना होंगी और सोमवार को दो रैलियों को संबोधित करेंगी।

टीएमसी के कार्यकर्ताओं ने बनर्जी को 'बंगाल की बेटी' बताने वाले पोस्टर और तख्तियां पकड़ी हुई थीं। तृणमूल कांग्रेस समर्थकों ने भाजपा के खिलाफ नारेबाजी की और विधानसभा चुनाव में 'बाहरी लोगों को हराने' की अपील की। तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बनर्जी के पैर की चोट की ओर से इशारा करते हुए नारा लगाया, ''भंगा पाये खेला होबे।'' बनर्जी ने रोडशो के लिए पहुंचने से पहले ट्वीट किया, ''हम बिना डरे लड़ाई जारी रखेंगे। मुझे अब भी बहुत दर्द है, लेकिन मुझे मेरे लोगों का दर्द इससे कहीं ज्यादा महसूस होता है। अपनी पवित्र भूमि की सुरक्षा करने की लड़ाई में, हमने बहुत कुछ सहन किया है तथा और सहन करेंगे लेकिन हम कायरता के आगे कभी नहीं झुकेंगे।

नंदीग्राम से राकेश टिकैत की अपील, कहा- विधानसभा चुनाव में भाजपा को वोट न दे जनता

कोलकाता/नंदीग्राम (पश्चिम बंगाल)। संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर किसानों ने शनिवार को कोलकाता और नंदीग्राम में महापंचायतों को आयोजन किया और लोगों से पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा को वोट नहीं देने का आग्रह किया। नंदीग्राम से मुख्यमंत्री ममता बनर्जी चुनाव लड़ रही है। किसान नेता और भारतीय किसान यूनियन के प्रमुख राकेश टिकैत महापंचायत में शामिल होने के लिए दिन में राज्य पहुंचे। तृणमूल कांग्रेस की सांसद डोला सेन ने हवाई अड्डे पर टिकैत की अगवानी की। इसके बाद टिकैत ने शहर में और पूर्वी मेदिनीपुर जिले के नंदीग्राम में सामाजिक कार्यकर्ता मेधा पाटकर के साथ किसानों को संबोधित किया। टिकैत ने आरोप लगाया कि केंद्र में भाजपा की अगुवाई वाली सरकार किसानों और उनके आंदोलन की रीढ़ तोड़ने पर आमादा है। उन्होंने कहा कि यह ''जन-विरोधी'' सरकार है। उन्होंने कहा, ''भाजपा को वोट मत देना। अगर उन्हें वोट दिया गया तो वे आपकी जमीन बड़े कॉर्पोरेट्स और उद्योगों को दे देंगे और आपको भूमिहीन बना देंगे। वे आपकी आजीविका दांव पर लगाकर देश के बड़े उद्योगपति समूहों को जमीन सौंप देंगे और आपको खतरे में डाल देंगे।'' टिकैत ने भाजपा को ''धोखेबाजों की पार्टी'' कहते हुए कहा, ''हम भाजपा का विरोध करने वालों और किसानों तथा गरीबों के साथ खड़े होने वालों के पाले में रहेंगे।'' उन्होंने स्पष्ट किया कि बंगाल में किसान महापंचायत का मतलब राज्य में किसी विशेष गैर-भाजपा पार्टी को समर्थन देना नहीं है। उन्होंने कहा, ''मैं यहां किसी विशेष पार्टी के लिए वोट मांगने के लिए नहीं आया हूं। हम यहां बंगाल में किसानों की ओर से भाजपा के खिलाफ लड़ाई शुरू करने के लिए अपील कर रहे हैं।'' नंदीग्राम की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि किसानों के आंदोलन की यह भूमि केन्द्र के नये कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन को एक नई दिशा देगी।

कांग्रेस ने केवल सत्ता हासिल करने के लिए एआईयूडीएफ के साथ गठबंधन किया : राजनाथ

डेरागांव (असम)। (एजेंसी)।

असम के पूर्व मुख्यमंत्री तरूण गोगोई ने ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) के साथ कभी गठबंधन नहीं किया लेकिन अब कांग्रेस ने बदरूद्दीन अजमल नीत पार्टी के साथ केवल राज्य की सत्ता हासिल करने के लिए हाथ मिलाया है। यह दावा रविवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने किया। असम में आज अपनी तीसरी रैली को संबोधित करते हुए भाजपा के वरिष्ठ नेता सिंह ने दावा किया कि कांग्रेस विभाजन की राजनीति कर रही है, जबकि भाजपा मानवता की राजनीति में संलग्न है।

सिंह ने कहा, ''कांग्रेस को क्या हो गया है? तरूण गोगोई जब 15 वर्षों तक मुख्यमंत्री रहे तो उन्होंने एआईयूडीएफ के साथ कभी समझौता नहीं किया। लेकिन आज वे एआईयूडीएफ के साथ हैं।

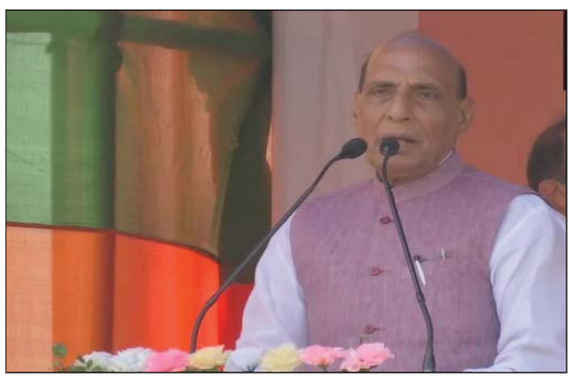

क्यों? क्या महज चुनाव जीतने के लिए और सत्ता हासिल करने के लिए?'' कांग्रेस ने राज्य में 126 सदस्यीय विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए एआईयूडीएफ और छह अन्य दलों के साथ मिलकर महागठबंधन बनाया है। उन्होंने विपक्षी दल पर आरोप लगाया कि वह देश और राज्य को धर्म के नाम पर बांट रहा है। गोलाघाट जिले के डेरागांव विधानसभा क्षेत्र में उन्होंने कहा, ''भाजपा धर्म की राजनीतिनहीं करती है।

हम इंसानों के लिए, मानवता की राजनीति करते हैं।'' यहां प्रथम चरण में 27 मार्च को चुनाव होने वाले हैं। सिंह ने कहा कि देश की सेवा की मंशा से गठबंधन बनाए जाने चाहिए न कि महज सरकार बनाने के लिए। सीमा पर शहीद होने वाले सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि भाजपा आंतरिक सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय सीमाओं की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। भाजपा की सहयोगी असम गण परिषद् के निवर्तमान विधायक भावेंद्र नाथ भराली के चुनाव प्रचार के लिए रैली का आयोजन किया गया था जो कांग्रेस उम्मीदवार बानी हजारिका के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं।

भारत में कोरोना मामलों का ग्राफ चढ़ा! 24 घंटे में 25 हजार से ज्यादा नए केस, 158 की मौत

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

भारत में कोरोना वायरस संक्रमण के रविवार को 25,320 नए मामले सामने आए, जो पिछले 84 दिन में संक्रमितों की सर्वाधिक संख्या है। इसके साथ ही देश में अब तक संक्रमित पाए गए लोगों की कुल संख्या बढ़कर 1,13,59,048 हो गई है। इससे पहले 20 दिसंबर को संक्रमण के 26,624 नए मामले सामने आए थे। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के सुबह आठ बजे के अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, देश में कोविड-19 के कारण रविवार को 161 लोगों की मौत हो गई, जो पिछले 44 दिन में सर्वाधिक मृतक संख्या है। देश में संक्रमण के कारण अब तक कुल 1,58,607 लोगों की मौत हो चुकी है।

मंत्रालय ने बताया कि देश में 2,10,544 लोग उपचाराधीन हैं, जो कुल संक्रमितों का 1.85 प्रतिशत है। देश में लोगों के स्वस्थ होने की दर शनिवार को 96.82 प्रतिशत थी, जो रविवार को गिरकर 96.75 प्रतिशत हो गई। आंकड़ों के अनुसार, देश में 1,09,89,897 लोग संक्रमणमुक्त हो चुके हैं, जबकि मृत्युदर 1.40 प्रतिशत बनी हुई है। देश में पिछले साल सात अगस्त में संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त को 30 लाख और पांच सितंबर को 40 लाख से अधिक हो गई थी। वहीं, संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर को 50 लाख, 28 सितंबर को 60 लाख, 11 अक्टूबर को 70 लाख, 29 अक्टूबर को 80 लाख, 20 नवम्बर को 90 लाख और 19 दिसंबर को एक करोड़ के पार चले गए थे। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के अनुसार, देश में 13 मार्च तक 22,67,03,641 नमूनों की कोविड-19 संबंधी जांच की गई, जिनमें से 8,64,368 नमूनों की जांच शनिवार को की गई।

अखिलेश यादव ने कहा- दूसरों पर आरोप लगाने वाले स्वयं संघीकेट से संचालित

लखनऊ। (एजेंसी)।

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी की सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि दूसरों पर सिंडीकेट से संचालित होने का आरोप लगाने वाले लोग वास्तव में स्वयं 'संघीकेट' से संचालित हैं। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव और उनके 20 समर्थकों के खिलाफ पत्रकारों की कथित पिटाई के मामले में शुक्रवार को आधी रात के बाद प्राथमिकी दर्ज की गई थी। इसके बाद मुरादाबाद के सपा जिलाध्यक्ष ने भी दो पत्रकारों के खिलाफ साजिश रचने समेत कई धाराओं में मामला दर्ज कराया।

पूर्व मुख्यमंत्री ने रविवार को ट्वीट किया, ''आज जिस प्रकार संविधान पर हमले हो रहे हैं, नेताओं पर झूठे मुकदमों व जांच एजेंसियों के छापे के बाद अब शारीरिक हमले तक हो रहे हैं, वो भाजपा की हिंसक राजनीतिक सोच का कुपरिणाम है।'' उन्होंने कहा, ''दूसरों पर सिंडीकेट से संचालित होने का आरोप लगाने

वाले लोग वास्तव में स्वयं 'संघीकेट' से संचालित हैं।'' प्राथमिकी दर्ज किये जाने की बात शनिवार को सार्वजनिक होते ही सपा अध्यक्ष यादव ने भाजपा सरकार पर आक्रोश जाहिर करते हुए ट्वीट किया, ''उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार ने मेरे खिलाफ जो प्राथमिकी लिखवाई है, जनहित में उसकी प्रति प्रदेश के हर नागरिक के सूचनार्थ यहां प्रकाशित कर रहे हैं।

अगर आवश्यकता पड़ी तो राजधानी लखनऊ में होर्डिंग भी लगवा देंगे। यह प्राथमिकी हारती हुई भाजपा की हताशा का प्रतीक है।'' यादव ने रविवार को अपने सिलसिलेवार ट्वीट में कहा, ''कासगंज में सपा और महान दल की संयुक्त किसान महापंचायत में उमड़े अपार जनसमर्थन ने दिखा गया है कि उत्तर प्रदेश में सपा के नेतृत्व में परिवर्तन की आंधी चलेगी। किसान-मजदूर, दलित, गरीब, महिला, युवा व कारोबार विरोधी भाजपा अब गयी। यादव ने कहा, ''किसान राजनीतिक खेत से भाजपा को जड़ से उखाड़ फेंकेंगे। बदायूं में सपा के समय बनना शुरू हुये मेडिकल कॉलेज का काम भाजपा सरकार के चार साल के कार्यकाल में पूरा नहीं हो पाया। भाजपा के लिए सिर्फ चुनाव जीतना मुद्दा रहता है, जन स्वास्थ्य या चिकित्सा नहीं।

येदियुरप्पा ने लोगों से अपील, कहा- अगर आप एक और लॉकडाउन नहीं चाहते, तो सहयोग करें

बेंगलुरू। (एजेंसी)।

कर्नाटक में कोरोना वायरस संक्रमण के बढ़ते मामलों पर चिंता जताते हुएप्रदेश के मुख्यमंत्री बी एस येदियुरप्पा ने रविवार को कहा कि यह महामारी राज्य में अनियंत्रित होती लग रही है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने लोगों से कहा कि अगर वे एक अन्य लॉकडाउन नहीं चाहते हैं तो महामारी की रोकथाम के उपायों का पालन कर सहयोग करें। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में बढ़ते कोविड-19 मामलों के चलते अधिकारियों एवं स्वास्थ्य विशेषज्ञों की सोमवार को विधान सौध में एक बैठक बुलायी है।

येदियुरप्पा ने बैठक बुलाने की घोषणा करते हुये कहा, ''मैं हाथ जोड़ कर लोगों से सहयोग करने की अपील करता हूं .....अगर लोग सहयोग करते हैं तो मुझे पूरा भरोसा है कि बिना लॉकडाउन के हम इसे नियंत्रित कर लेंगे।'' महाराष्ट्र में कोरोना वायरस के संक्रमण के बढ़ते मामलों के बीच प्रदेश के कुछ हिस्सों में लागू किये गये लॉकडाउन के संदर्भ में कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने लोगों से यह अपील की है। कोरोना वायरस के कारण पिछले साल मार्च में देशव्यापी लॉकडाउन लागू किया गया था जिसमें चरणबद्ध तरीके से ढील दी गयी थी। इसके बाद कर्नाटक में करीब करीब सभी गतिविधियों को अनुमति दी गयी थी। इस साल 22 जनवरी के बाद पहली बार प्रदेश में कोविड-19 के 900 से अधिक मामले सामने आये हैं। प्रदेश में कुल 921 नये मामले सामने आये हैं और इनमें से 630 मामले अकेले बेंगलुरू अर्बन जिले में आये हैं। पिछले सोमवार से प्रदेश में अब तक 4300 से अधिक नये मामले सामने आये हैं। इसके साथ ही प्रदेश में कोविड-19 संक्रमित मरीजों का आंकड़ा9,59,338 पर पहुंच गया है। इनमें से 12,387 लोगों की मोत हो चुकी है जबकि 9,38,890 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं। प्रदेश में फिलहाल 8,042 मरीज उपचाराधीन हैं। यह आंकड़ा पिछले महीने 4,000-5,000 के करीब था। येदियुरप्पा ने संवाददाताओं से कहा, ''पिछले एक महीने से, ऐसा लगता है कि कोविड-19 अनियंत्रित होने जा रहा है। दिन ब दिन मामलों की संख्या बढ़ रही है। इसलिये हमने कल एक बैठक बुलायी है। '' इससे पहले मुख्यमंत्री कार्यालय ने रविवार को बयान जारी कर बताया कि कर्नाटक में हाल के दिनों में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में हुयी वृद्धि के मद्देनजर प्रदेश के मुख्यमंत्री बी एस येदियुरप्पा ने सोमवार को अधिकारियों एवं स्वास्थ्य विशेषज्ञों की बैठक बुलायी है। बयान के अनुसार, यह बैठक सोमवार को शाम पांच बजे विधान सौध में होगी, जहां प्रदेश विधानसभा एवं सचिवालय स्थित है।

असम की जनसभा में बोले अमित शाह- कांग्रेस ऐसे दलों से गठबंधन कर रही है जो देश को बांटना चाहते हैं

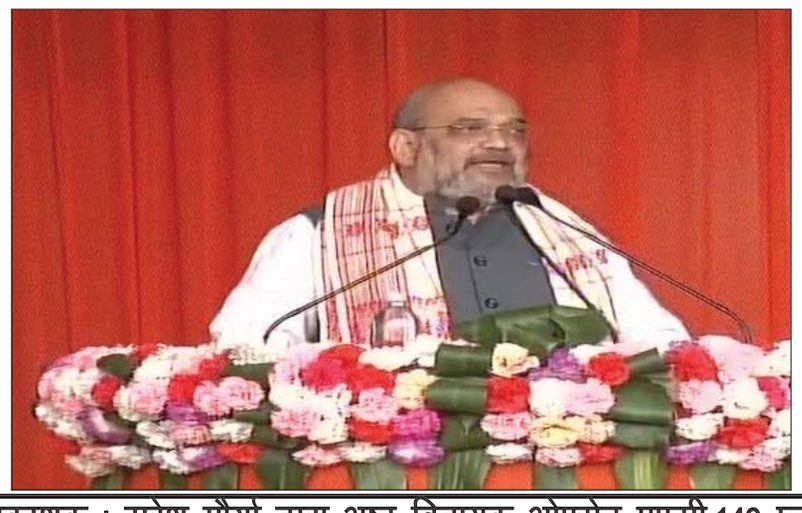

मार्गरीटा (असम)। (एजेंसी)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी पर उन राजनीतिक दलों के साथ गठजोड़ करने के लिए तीखे हमले किए, जो ''देश को बांटना चाहते हैं।'' शाह ने कहा कि भाजपा वोट बैंक की राजनीति नहीं करती है। शाह ने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी ने ''15 साल तक राज्य में शासन करने और राज्य का प्रतिनिधित्व करने वाला एक प्रधानमंत्री होने के बावजूद'' पड़ोसी देशों से अवैध घुसपैठ के मुद्दे को हल करने के लिए कुछ नहीं किया। शाह परोक्ष तौर पर मनमोहन सिंह की ओर इशारा कर रहे थे, जिन्होंने राज्यसभा में असम का प्रतिनिधित्व किया।

शाह ने यहां एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा, ''कांग्रेस चुनाव जीतने के लिए किसी भी हद तक जा सकती है। उसने असम में बदरुद्दीन अजमल की एआईयूडीएफ, केरल में मुस्लिम लीग और पश्चिम बंगाल में इंडियन सेक्युलर फ्रंट के साथ गठबंधन किया है। असम अजमल के हाथों में सुरक्षित नहीं रह सकता है।'' उन्होंने कहा, ''असम के लोग तय कर सकते हैं कि उनके कल्याण के बारे में कौन ज्यादा चिंतित है - प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी या बदरुद्दीन अजमल।'' केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भाजपा ने पिछले पांच वर्षों के दौरान घुसपैठियों को सफलतापूर्वक बाहर किया, जिन्होंने काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में जमीन पर कब्जा कर लिया था और धार्मिक निकायों के स्वामित्व वाले भूखंडों पर कब्जा कर लिया था।''

उन्होंने दावा किया, ''पांच साल पहले, मैंने भाजपा अध्यक्ष के रूप में असम को ''आंदोलन मुक्त'' और ''आतंकवाद मुक्त'' (उग्रवाद-मुक्त) बनाने का वादा किया था। हमने अपनी प्रतिज्ञा पूरी की है और अब राज्य में कोई आंदोलन या कोई उग्रवाद नहीं है।'' शाह ने दावा किया, ''असम शांति और विकास का अनुभव कर रहा है। हमें और पांच साल दें और हम घुसपैठ की समस्या का भी हल करने में सक्षम होंगे।'' शाह ने कांग्रेस नेताओं पर निशाना साधा जिन्होंने सत्ता में आने पर चाय बागानों के श्रमिकों की सहायता करने का वादा किया है। शाह ने कहा कि पार्टी को चुनाव के दौरान ही इन मजदूरों की याद आती है। उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चाय बागानों के श्रमिकों के जीवन और कामकाज की स्थिति को बेहतर बनाने के लिए कई पहल की है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौया द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)